RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●01 अगस्त , 2024 वर्षः-12 अंक-95 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

लखनऊ में पानी-पानी हुई यूपी विधानसभा

● ऐसी बारिश की सीएम योगी को गेट बदलना पड़ गया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। बुधवार को यूपी की राजधानी समेत आसपास के कई जिलों में बारिश का शिलशिला देखने को मिला। लखनऊ में पिछले 2 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। तेज हवाओं के साथ बादल ऐसे छाए हैं कि दिन में रात जैसा माहौल देखने को मिल रहा है। इसके अलावा जो वाहन सड़कों पर निकल रहें उन्हें लाइट जलानी पड़ रही है। वहीं कई जगहों पर जलभराव भी हुआ। इसमें हजरतगंज, चौक, ठाकुरगंज, ऐशबाग जैसे इलाकें शामिल हैं। बारिश का पानी विधानसभा परिसर और नगर निगम के दफ्तर में घुस गया। मुख्यमंत्री की फ्लीट को गेट नंबर 1 से बाहर निकाला गया।

आर्मी मेडिकल सर्विस की पहली महिला डीजी होंगी साधना सक्सेना

● एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाली दूसरी महिला, पति भी एयर मार्शल रह चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को बुधवार को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल बनाया गया है। साधना

1 अगस्त से पदभार संभालते ही, इस पद पर काम करने वाली पहली महिला बन जाएंगी। पिछले साल अक्टूबर में वायुसेना में एयर मार्शल पद पर प्रमोट किए जाने के बाद साधना को हॉस्पिटल सर्विसेस (आर्म्ड फोर्सेज) की डायरेक्टर जनरल (डीजी) बनाया गया था। इस पद नियुक्त होने वाली भी वे पहली महिला अधिकारी थीं। साधना वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफीसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं। इससे पहले साधना को दिल्ली प्रमोशनल ट्रांसफर किया गया था।

हिमाचल में कांग्रेस विधायक-कोषाध्यक्ष पर ईडी का छापा

● आयुष्मान भारत योजना में अनियमितताओं को लेकर जांच, चंडीगढ़ और पंजाब में भी छापेमारी

शिमला (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब समेत 19 जगहों पर छापेमारी की। हिमाचल में 40 वाहनों में 150 अधिकारियों की टीम कांगड़ा और ऊना में अलग अलग जगह दस्तावेज खंगाल रही है। ईडी की टीम आयुष्मान भारत योजना में अनियमितताओं को लेकर नगरोटा बगवां से कांग्रेस विधायक आरएस बाली के घर और उनके निजी फोर्टिस अस्पताल की जांच कर रही है। इसके अलावा टीम देहरा से 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी और प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा के घर और उनके बालाजी अस्पताल में दस्तावेज खंगाल रही है।

बिना जाति पूछे कैसे होगी जाति जनगणना!

● अनुराग के बचाव में खुलकर सामने आई बीजेपी ● राहुल से किया सवाल-आप साधु हैं या ज्ञानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर के जाति वाले बयान पर हंगामा जारी है। कांग्रेस सांसदों ने सदन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी सांसद ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का अपमान किया है। कांग्रेस के प्रदर्शन पर कर्नाटक के पूर्व सीएम और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि यह हैरानी के बाद है कि जातिगत जनगणना कराने की बात कहने वाले लोग जाति पूछे जाने से आहत हो रहे हैं। विपक्षी नेता अनुराग ठाकुर के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मंगलवार को लोकसभा में अनुराग ठाकुर ने अपनी बात रखते हुए कहा था कि 'जिनकी कोई जात नहीं वह जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं', ऐसा माना गया कि उनका इशारा राहुल गांधी की तरफ है। जिसके बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई और कहा, 'कोई किसी की जाति कैसे पूछ सकता है।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे अपमान बताया। बीजेपी की ओर से सांसद संबित पात्रा ने एक प्रेस कान्फ्रेंस कर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि संसद में '99 की संख्या और अंधकार का खेल' चल रहा है। संबित पात्रा ने कहा, अनुराग ठाकुर ने अपने भाषण में किसी का भी नाम नहीं लिया। नाम नहीं लेते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिसकी जाति का पता नहीं वह गणना की बात करते हैं, तो एक ही शख्स को बुरा लगा। उसके इशारे पर कांग्रेस के सारे सदस्य खड़े हो गए, क्यों। जो शख्स पत्रकारों से जाति पूछ लेता है। प्रशासनिक अधिकारियों की जाति पूछ लेते हैं। उन्हें जाति पूछे जाने से दिक्कत हो रही है। संबित पात्रा ने आगे संत कबीर का एक दोहा पढ़ते हुए कहा कि राहुल गांधी अगर साधु होते तो उनकी जाति नहीं पूछी जाति। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की लोकसभा में की गई टिप्पणी और उस पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया पर राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद में किसी की जाति नहीं पूछी जाती। अनुराग ठाकुर ने जानबूझकर राहुल गांधी का अपमान करने के लिए ऐसा कहा। यह सही नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं। मैं प्रधानमंत्री के ट्वीट की भी निंदा करता हूं।

170 लापता, 89 शवों की हुई पहचान,बचाव अभियान जारी

वायनाड में अब तक 184 लोगों की मौत

● शाह बोले-केरल सरकार को पहले ही चेतावनी दी थी

वायनाड (एजेंसी)। लैंडस्लाइड सोमवार देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां बह गईं। आर्मी, एयरफोर्स, एनडीआरएफ,एसडीआरएफ, पुलिस और डॉग स्क्वॉड की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। देर रात तक 1 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया, 3 हजार लोगों को रिहैब सेंटर में भेजा गया है। मौसम विभाग ने वायनाड के अलावा मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी हो सकती है। सेना ने मुंडक्कई गांव के बाहर स्थित इला रिसॉर्ट और वाना रानी रिसॉर्ट में फंसे 19 टूरिस्ट को बुधवार को निकाला। ये घटना के बाद से यहीं फंसे हुए थे। डिफेंस के मुताबिक, 122 इन्फैंट्री बटालियन मद्रास के जवानों ने रस्सियों के सहारे सभी नागरिकों को चूरलमाला तक सुरक्षित निकालने के लिए एक मानव पुल बनाया। हादसे के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। 12 जिलों में 30 जुलाई को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी गई। केरल यूनिवर्सिटी ने 30 और 31 जुलाई को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। लैंडस्लाइड की घटना का जायजा लेने वायनाड जा रहीं केरल की हेल्थ मिनिस्टर वीना जॉर्ज बुधवार को सुबह करीब साढ़े 7 बजे एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। उन्हें मलप्पुरम स्थित मंजेरी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना एक स्कूटर सवार को बचाने के चलते हुई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से वायनाड दौरा रद्द कर दिया है। राहुल ने आज कांग्रेस सांसदों के साथ संसद के सेंट्रल हॉल में वायनाड में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति दो मिनट का मौन रखा। वायनाड का मुंडक्कई गांव लैंडस्लाइड की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने वाला पुल बह गया है, जिससे क्षेत्र तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। मुंडक्कई में करीब 250 लोगों के फंसे होने की खबर है। यहां कई घर बह गए हैं, जिनमें 65 परिवार रहते थे। पास के एक टी एस्टेट के 35 कर्मचारी भी लापता हैं। कोझिकोड जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा, सभी ग्रेनाइट खदानों को बंद करने के लिए कहा गया है।

4 राज्यों के चुनावी नतीजे बदलेंगे देश की राजनीति

● सोनिया गांधी बोलीं-माहौल हमारे पक्ष में है, भाजपा का काम सिर्फ बांटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी नेताओं से कहा कि कुछ ही महीनों में 4 राज्यों- महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने हैं। माहौल हमारे पक्ष में है। लोकसभा चुनाव में मिले जनता के समर्थन और भावनाओं को हमें बरकरार रखना है। सोनिया ने कहा- हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। मैं यह कह सकती हूं कि यदि हम लोकसभा चुनावों की तरह ही 4 राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो राष्ट्रीय राजनीति में भी बड़ा बदलाव आएगा। सोनिया गांधी पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल (संविधान सदन) में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में बोल रही थीं। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत सभी सांसद मौजूद थे। हमें लगा था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सबक लेगी लेकिन इसके बजाय वह समुदायों को बांटने और डर फैलाने की अपनी नीति पर कायम है। बजट में किसानों और युवाओं की मांगों को नजरअंदाज कर दिया गया। कई महत्वपूर्ण सेक्टर के साथ बजट आवंटन में न्याय नहीं किया गया है। लोगों में निराशा है। केंद्र सरकार आत्मभ्रम में है। देश भर में करोड़ों परिवार बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से तबाह हो रहे हैं। कांवड़ यात्रा के रास्ते में दुकानदारों के नाम लिखने के यूपी-उत्तराखंड सरकार के आदेश पर सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट ने सही समय पर हस्तक्षेप किया। यह केवल कुछ समय के लिए राहत हो सकती है। ब्यूरोक्रेसी को आरएसएस के कार्यक्रमों में जाने की परमीशन देने के लिए अचानक नियमों को बदला जा रहा है।

सीएम ने ट्वीट कर दी जानकारी,खत्म हो रही थी खरीदी की समयसीमा

किसानों को तोहफा, अब 5 अगस्त तक होगी मूंग की खरीदी

भोपाल। मप्र में मूंग खरीदी की तारीख बढ़ाई गई है। अब 5 अगस्त तक मूंग की खरीदी हो सकेगी। सीएम डॉ मोहन यादव ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में किसान मूंग खरीदी की तारीख आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस भी मूंग खरीदी को लेकर लगातार सरकारी सिस्टम पर सवाल उठा रही है। सीएम ने अपने ट्वीट में लिखा- प्रदेश सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है। प्रदेश के किसान भाइयों की मांग को ध्यान में रखते हुए तिथि में संशोधन किया है। ग्रीष्मकालीन मूंग के लिए उपार्जन की तिथि 31 जुलाई तक निर्धारित थी, लेकिन किसानों के हित में निर्णय लिया है कि अब उपार्जन संबंधी समस्त जिलों में एक दिन आप किसानों को स्लाट बुकिंग करने के लिए दिया जा रहा है,

जिससे 5 अगस्त तक मूंग का विक्रय किया जा सकेगा। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समय सीमा को ध्यान में रखते हुए यह भी ध्यान देना है कि वर्षाकाल होने से किसानों को कोई असुविधा न हो।

फर्जी तरीके से फूड प्रोडक्ट विदेश भेजने का आरोप

डेयरी प्रोडक्ट फैक्ट्री संचालक पर ईओडब्ल्यू का छापा

भोपाल। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने फर्जी तरीके से डेयरी प्रोडक्ट विदेश भेजने मामले में बुधवार को जयश्री गायत्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड (पनीर फैक्ट्री) के मालिकों के ठिकानों पर छापा मारा है। 25 से ज्यादा अधिकारी भोपाल और सीहोर में 12 से ज्यादा ठिकानों पर कार्रवाई कर रहे हैं। टीम सुबह करीब 11 बजे पहुंची। इनमें शाहपुरा और 10 नंबर स्टॉप स्थित घर, दफ्तर और सीहोर स्थित फैक्ट्री भी शामिल है। यहां से अहम दस्तावेज और फाइलें जब्त की गई हैं। कंपनी के मालिकों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री के डायरेक्टर किशन मोदी हैं। इनके साथ फैक्टी के अन्य अधिकारी पारुल मोदी और राजेंद्र मोदी पर 24 जुलाई को ईओडब्ल्यू में एफआईआर दर्ज की गई थी। इन पर विदेश में सप्लाई किए जाने वाले डेयरी प्रोडक्ट के सर्टिफिकेट फर्जी तरीके से तैयार करने का आरोप है। ये छापेमारी एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर चल रही है।

अफसरशाही सरकार का एक आदेश बना टकराव की वजह, बढ़ गया तनाव

एमपी में आईएएस और आईएफएस अफसरों में 'पॉवर गेम'

भोपाल (एजेंसी)। भारत के मध्य में हाई लेवल पावर का संघर्ष चल रहा है। यह संघर्ष नेताओं के बीच नहीं है। पावर का यह झगड़ा मध्य प्रदेश में आईएएस और आईएफएस अफसरों के बीच है। भारतीय वन सेवा के अधिकारी मध्य प्रदेश सरकार के एक विवादास्पद आदेश को चुनौती दे रहे हैं, जिससे उनके अधिकार कमजोर होंगे। आईएफएस अफसरों के बीच यह संशय है कि नया आदेश पर्यावरण मंजूरियों को प्रभावित करने का एक सीक्रेट प्रयास है, यह देखते

हुए कि कई नौकरशाहों ने टाइगर रिजर्व्स और अन्य संरक्षित क्षेत्रों के पास जमीन का अधिग्रहण किया है। इस आदेश को लेकर वन सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों में टकराव है। वहीं, इसे लेकर आईएफएस अधिकारियों का दावा है कि यह सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवमानना है। मध्य प्रदेश आईएफएस एसोसिएशन (एमपीआई एफएसए) ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के समक्ष औपचारिक विरोध दर्ज कराया है। एसोसिएशन ने वन्यजीव संरक्षण में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि नया आदेश न केवल वन अधिकारियों का मनोबल गिराएगा, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रमुख पर्यावरणीय पहलों की सफलता को भी खतरे में डाल देगा। दरअसल, 29 जून, 2024 को मध्य प्रदेश सरकार ने एक आदेश जारी कर आईएफएस अधिकारियों के लिए एपीआर चैनल को डीएफओ से बदलकर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) कर दिया।

हमास चीफ इस्माइल हानिये तेहरान में हुआ ढेर

तेहरान (एजेंसी)। हमास का पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानिये मारा गया है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इसकी पुष्टि की है। एजेंसी ने बुधवार सुबह बताया कि तेहरान में हानिये के ठिकाने पर रात 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक सुबह 4 बजे) मिसाइल से हमला किया गया। इसमें हानिये और उसके एक बॉडीगार्ड की मौत हो गई। हानिये मंगलवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए तेहरान में था। हमास ने हानिये की मौत की पुष्टि कर दी है। ईरान ने इजराइल पर हानिये की हत्या के आरोप लगाए हैं। हालांकि इजराइल का कोई बयान नहीं आया है। हानिये की अगुआई में ही हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर 75 सालों का सबसे बड़ा हमला किया था। इसमें 1,200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 01 अगस्त , 2024

शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

विदिशा (निप्र)।कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान ग्रामीण सड़क विकास के महाप्रबंधक श्री एसपी आर्य अनुपस्थित रहने व विभागीय प्रतिनिधि के द्वारा जानकारियां देने में असमर्थ होने पर महाप्रबंधक श्री आर्य को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

शासकीय कन्या आईटीआई में करियर काउंसलिंग आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय मॉडल करियर सेंटर द्वारा शासकीय कन्या आईटीआई में करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को सेल्फ अवेयरनेस एवं शिक्षा जीवन कौशल के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार की नेशनल करियर सर्विस पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही रेलवे एवं अन्य संस्थानों में अप्रेंटिसशिप एवं अन्य वैकेंसियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।

सफलता की कहानी: लाड़ली बहना योजना के 1250 रू के साथ रक्षाबंधन शगुन के 250 रू भी आएंगे

रायसेन (निप्र)।मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत लाड़ली बहनों को हर महीने 1250 रू उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रहे हैं। आगामी अगस्त महीने की एक तारीख को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लाड़ली बहनों के खाते में योजना के 1250 रू अंतरित किए जाएंगे। साथ ही लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के शगुन के रूप में 250 रू की अतिरिक्त राशि भी प्रदान की जाएगी। रायसेन निवासी लाड़ली बहना श्रीमती प्रीति शर्मा सावन और रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का यह विशेष उपहार पाकर बेहद खुश हैं। वह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को उपहार के लिए धन्यवाद देते हुए कहती हैं कि बहनों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना लाड़ली बहनें सशक्त बन रहीं हैं। उन्होंने बताया कि लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि का उपयोग वह अपनी और बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए कर रहीं हैं।

आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। आयुक्त कोष एवं लेखा भोपाल के निर्देशानुसार आईएफएमआईएस केयर थीम अंतर्गत रायसेन जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का गत दिवस ई-दक्ष केन्द्र रायसेन में प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ, जिसमें 96 कार्यालयों के डीडीओ तथा लेखापाल शामिल हुए। प्रशिक्षण में सहायक कोषालय अधिकारी श्री केबी शर्मा द्वारा उपस्थित डीडीओ तथा लेखापालों को बताया गया कि डीडीओ अपना आईडी पासवर्ड एवं ओटीपी साझा नहीं करें। भुगतान करने के पूर्व स्वीकृति आदेश के अनुसार भुगतान प्राप्तकर्ता के बैंक खाता का मिलान अवश्य कर लें जिससे कि त्रुटिपूर्ण भुगतान ना हो। प्रशिक्षण में बताया गया कि माह में किए गए समस्त भुगतान की नियमित रूप से जांच की जाए। सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के स्वत्वों का भुगतान करते समय गणना पत्रक की जांच करते हुए शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त जिला कोषालय कार्यालय के श्री राम गौर द्वारा सॉफ्टवेयर के अंतर्गत विभिन्न मॉड्यूलों जैसे एसएम, रिसीट एण्ड डिस्वर्समेंट, ईएसएस, डिपोजिट, पेंशन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में समस्त कार्यालयों को वेतन भुगतान माह की एक तारीख को करने संबंधी निर्देश भी दिए गए।

मदरसा बोर्ड के परीक्षा ऑनलाइन आवेदन 10 अगस्त तक

सीहोर (निप्र)। म.प्र. मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा सत्र 2024 के लिये परीक्षा आवेदन पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन भरे जाने की दिनांक पूर्व में 25 जुलाई 2024 तक निर्धारित की गई थी। उक्त तिथि को बढ़ाकर 10 अगस्त 2024 की जाती है। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार दिनांक 10 अगस्त 2024 तक तथा भरे गए आवेदन पत्र डाक द्वारा कार्यालय मदरसा बोर्ड में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2024 निर्धारित की गई है।

ओलम्पियाड में सहभागिता के लिये पंजीयन 20 अगस्त तक राज्य शिक्षा केन्द्र ने समस्त कलेक्टर को जारी किये निर्देश

रायसेन (निप्र)। प्रदेश के सरकारी प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 विद्यार्थियों के लिये ओलम्पियाड में सहभागिता के लिये पंजीयन ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 25 जुलाई से प्रारंभ हो गया है। विद्यार्थी 20 अगस्त तक पंजीयन करा सकेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने समस्त कलेक्टर को निर्देश जारी किये है। सत्र 2024-25 में अध्यनरत कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामायिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के उद्देश्य से ओलम्पियाड का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता नेतृत्व क्षमता का विकास, प्रतिस्पर्धा की भावना विकास, अभिव्यक्ति का विकास, विषयों के प्रति जागृत करना होता है। सभी विद्यार्थियों के लिये ओलम्पियाड के प्रथम चरण जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर सितम्बर माह में तथा द्वितीय चरण में जिला स्तर का आयोजन इस वर्ष नवम्बर माह में किया जायेगा। प्राथमिक स्तर के ओलम्पियाड एवं वर्ड पावर चेम्पियनशीप में प्रत्येक शासकीय प्राथमिक विद्यालय से कक्षा 2 से 5 तक के प्रत्येक कक्षा से 3-3 विद्यार्थी शामिल होंगे। माध्यमिक स्तर पर जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक के लिये एक प्रश्न पत्र होगा। माध्यमिक स्तर की जिला स्तरीय प्रतियोगिता 2 दिवसीय होगी। निर्देशों में कहा गया है कि जन शिक्षा केन्द्र एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित करायी जाये। जिला स्तर की प्रतियोगिता के बाद चयनित विद्यार्थियों के बीच राज्य स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी। ओलम्पियाड में विद्यालयों में अध्यनरत् अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी जन शिक्षा केन्द्र एवं जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

पीसीसी चीफ पटवारी आए घेरे में, सुरजीत चड्ढा का निलंबन बन रहा मुश्किल

इंदौर। इंदौर जिला कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में बीजेपी के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की खातिरदारी किया जाना जिले के शहर और ग्रामीण अध्यक्षों पर निलंबन कार्रवाई की गाज के साथ टूटा है लेकिन कार्रवाई की धुरी अब घूमकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की तरफ भी बढ़ने लगी है निलंबित किए गए नेताओं ने इस मामले को लेकर खुलासा किया है कि जो कुछ हुआ है, वह कांग्रेस अध्यक्ष की सहमति और अनुमति से ही हुआ है जानकारी के मुताबिक, निलंबित किए गए इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा का कहना है कि उन्होंने गांधी भवन में कैलाश विजयवर्गीय का स्वागत जीतू पटवारी के कहने पर किया था। उन्होंने पीसीसी चीफ से इसके लिए सहमति लेने के बाद ही कैलाश विजयवर्गीय को गांधी भवन आने की अनुमति दी थी इस बीच मामले को लेकर भाजपा ने भी मोर्चा सम्हाल

लिया है बीजेपी नेताओं ने कहा है कि अगर कैलाश का गांधी भवन जाना जिला अध्यक्ष के निलंबन का कारण बनता है तो इसके लिए जीतू पटवारी भी दोषी हैं, इस लिहाज से उनका भी निलंबन होना चाहिए।

इधर मुखबिर की तलाश

कांग्रेस खेमे में इस बात की जमकर खोजबीन हो रही है कि छुपाने की तमाम कोशिशों के बाद भी इंदौर के कांग्रेस के शहर व ज़िला अध्यक्ष को मिले निलंबन के नोटिस आखि़र सामने कैसे आ गए? इन नोटिस को सार्वजनिक किसने किया? बताया जा रहा है कि इस नोटिस की जानकारी प्रभारी जितेन्द्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, राजीव सिंह और दोनों अध्यक्षों को ही थी उसको छुपाने के पीछे भी कई कारण थे, क्योंकि मामला प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के गृह क्षेत्र का है इन नोटिसों के सामने आने के बाद बवाल थम नहीं रहा है बताया जा रहा है कि बवाल मचने के बाद कांग्रेस के छह अगस्त के प्रदर्शन पर भी संकट के बादल छा गए हैं। प्रदेश प्रभारी इंदौर के इस सारे घटनाक्रम से इतने नाराज हो गए हैं कि उनका इंदौर आना तक निरस्त होने के कगार पर है।

जिस प्रसिद्ध मंदिर में मोहन सरकार के मंत्री ने चढ़ाए थे चांदी के आभूषण, वहीं हाथ साफ कर गए शातिर चोर

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर में प्रसिद्ध छिमछिमा हनुमान मंदिर पर चोरी की बड़ी वारदात घटित हुई है मंगलवार बीती रात मंदिर पर धावा बोल कर अज्ञात चोरों ने साढ़े 5 किलो चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया घटना के बाद क्षेत्रीय श्रद्धालुओं में गहरी नाराजगी है. उधर, मौके पर पहुंची पुलिस में मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है हैरानी की बात यह रही कि मंदिर पर तैनात 3 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बाद भी चोर चोरी की घटना को अंजाम देने में सफल हो गए वहीं, मंदिर के सीसीटीवी कैमरे भी 5 दिन पहले ही खराब हुए थे, इसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं बताया जा रहा है कि मंत्री रामनिवास रावत ने इसी मंदिर पर सवा 5 किलो वजनी गहने चढ़ाए थे बीती रात मंगलवार को 12 बजे के बाद अज्ञात चोरों ने छिमछिमा हनुमान मंदिर में पीछे से दाखिल होकर हनुमान जी की प्रतिमा पर चढ़े आभूषण और मंदिर में लगे चांदी के छत्र को चोरी कर लिया कल सुबह बुधवार को जब मंदिर का पुजारी पूजा करने पहुंचा तो वह नजारा देख हैरान रह गया पुजारी ने वहां तैनात एसएएफ के गार्डों और दूसरे लोगों को मौके पर बुलाया।

25 गधे हुए लापता, कलेक्टर के पास पहुंचा मामला

बुरहानपुर। गधों के सिर से सींग गायब होने की कहावत तो अपने सुनी ही होगी, लेकिन मध्य प्रदेश के बुरहानपुर नगर में यहां गधे लापता हो रहे हैं। अब तक गधे स्वामियों 25 गधे लापता हो चुके हैं। इन गधों की तलाश के लिए पुलिस अब सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर उन्हें खोजने की बात कह रही है। इससे पहले पुलिस गधे के मालिकों को दो अलग-अलग थाने का मामला बताकर चक्कर कटवाती रही। जिसकी शिकायत लेकर कुछ गधा मलिक मंगलवार को जनसुनवाई में भी पहुंच गए। जहां उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके गधे चोरी होने का केस दर्ज नहीं किया। उन्होंने जिला कलेक्टर को आवेदन कार्रवाई की मांग की है बुरहानपुर जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के प्रताप पुरा में रहने वाले प्रजापति समाज के कुछ लोग बीते गुरुवार से परेशान हैं। 25 जुलाई को यहां के कुछ लोगों के करीब छह गधे चोरी हो गए। मालिकों ने गधों की गिनती की तो 25 गधे कम थे। इससे गधे मालिक हैरान हो गए उन्होंने शहर भर में गधों को तलाश किया, लेकिन वे नहीं मिले। हालांकि, सीसीटीवी में कुछ व्यक्ति गधों को ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद गधा मालिक शहर के शिकारपुरा थाने में अपनी शिकायत लेकर पहुंचे लेकिन, गधों के बाजार क्षेत्र से गायब होने के कारण थाना पुलिस ने उन्हें कोतवाली थाने भेज दिया गया। कोतवाली थाना पुलिस ने पीड़ितों से आवेदन लेकर थाना क्षेत्र के लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने की बात कही। लेकिन, इन कैमरों में गधे नजर नहीं आए। जिसके बाद गधा मालिकों को वापस शिकारपुरा थाने भेज दिया गया। आखिरकार दोनों थानों के चक्कर लगाने से परेशान गधा मालिक मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे।

जिला कलेक्टर कार्यालय में चल रही जनसुनवाई के दौरान पहुंचे गधा मालिकों ने प्रशासनिक अधिकारियों से उनके गधे वापस दिलाए जाने की मांग रखी। उनका कहा कि गधों के लापता होने से उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ पड़ा है। उन्होंने कि हम प्रजापति समाज के लोग हैं, गधों पर ही रेत, गिट्टी, मिट्टी जैसी चीजें ढोकर गुजर बसर करते है। गधों नहीं होने के कारण वे पिछले 6 दिन से बेरोजगार बैठे हैं। एक गधे की कीमत 25 से 30 हजार रुपए है, जिससे उनका बड़ा नुकसान हुआ है। वहीं, बचे हुए गधों को डर के कारण कहीं दूर चरने भी नहीं भेज पा रहे हैं।

कोतवाली थाना प्रभारी सीताराम सोलंकी ने बताया था कि कुछ लोग गधों के लापता होने की शिकायत लेकर आए थे। उन्हें आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज जांच कर उनका पता लगाया जाएगा जिसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। जनसुनवाई में मौजूद संयुक्त कलेक्टर अशोक कुमार जाधव ने जल्द ही गधे स्वामियों की समस्या का समाधान कर करवाई करने का आश्वासन दिया है।

ट्रेन में बिगड़ी तबीयत, इलाज के बाद यात्रियों को किया रवाना

सभी यात्रियों को स्टेशन पर उतारा और तीन टेबल लगाकर सभी लोगों का चेकअप किया गया

मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब बुधवार सुबह अजमेर से औरंगाबाद जा रहे एक ही परिवार के 15 से ज्यादा लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। आपको बता दें कि सभी को उल्टी और दस्त की शिकायत थी। सभी को स्टेशन पर जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने दवा दी इसके बाद करीब 10 मिनट लेट तक ट्रेन भी देरी से रवाना हुई।इसकी सूचना खंडवा रेलवे स्टाफ को सुबह ही दे दी गई थी कि हिसार-हैदराबाद एक्सप्रेस में 15 लोगों को उल्टी-दस्त की शिकायत है। ऐसी आशंका है कि उन्हें फूड पॉइजनिंग हुआ है। सूचना के बाद रेलवे स्टाफ अलर्ट हो गया और जिला अस्पताल से डॉक्टरों की टीम भी बुलवा ली।रात में अचानक बिगड़ी तबीयत जिस ट्रेन में परिवार बैठा था वो सुबह करीब 11.15 बजे खंडवा पहुंची थी परिवार की नगमा सैय्यद के मुताबिक, हम सभी लोग औरंगाबाद में रहते हैं। 2 दिन हम अजमेर शरीफ दरगाह गए थे। परिवार में 12 महिला और पुरुष हैं साथ में 3 बच्चे हैं यात्रियों का कहना अजमेर से हम मंगलवार रात औरंगाबाद वापसी के लिए ट्रेन में बैठे थे इसके बाद रात में हमें उल्टियां होने लगीं बच्चों को दस्त की शिकायत हो गई। इसके बाद हमनें रेलवे स्टाफ को ये समस्या बता रेलवे स्टाफ ने बताया कि खंडवा स्टेशन पर इलाज किया जाएगा अजमेर में बाहर का खाना खाने से की वजह से तबीयत बिगड़ी हैइधर, तबीयत खबर की खबर लगते ही खंडवा स्टेशन पर एक घंटे पहले ही मेडिकल स्टाफ को तैनात कर दिया था। सभी यात्रियों को स्टेशन पर उतारा और तीन टेबल लगाकर सभी लोगों का चेकअप किया सभी को दवा और [illegible] दिया इसके साथ ही ब्लड प्रेशर भी चेक किया गया सभी के उपचार करके करीब 10 मिनट बाद उसी ट्रेन से रवाना किया गया।

ग्रीन फील्ड सिटी: प्रथम चरण में देशभर के 8 नए शहरों का चयन होगा, बाजी मारते दिख रहा जबलपुर

जबलपुर। जबलपुर शहर में जल्द ही पैसों की बारिश होने वाली है. यदि सब कुछ अच्छा रहा, तब केंद्र सरकार की ग्रीन फील्ड सिटी योजना में मध्यप्रदेश का इकलौता शहर जबलपुर शामिल हो जाएगा फिर जबलपुर के विकास को पंख लग जाएंगे. इतना ही नहीं इस योजना से जबलपुर के हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा. दरअसल, केंद्र शासन के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने स्मार्ट सिटी योजना के बाद ग्रीन फील्ड सिटी योजना शहरों के लिए लाई हुई हैं जिसके तहत प्रथम चरण में देशभर के 8 नए शहरों का चयन होना है. जिसमें जबलपुर बाजी मारते हुए दिखाई दे रहा है।

गौरतलब है जबलपुर के सांसद आशीष दुबे और कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी केंद्र की इस योजना को शहर में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. लिहाजा दोनों ही जनप्रतिनिधि जनता की डिमांड को लेकर सीधे दिल्ली में केंद्रीय शहर विकास उर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर के पास पहुंच गए और जबलपुर का खाका पेश कर दिया. विधायक अशोक रोहाणी ने जोर देते हुए कहा कि इस योजना के लिए जबलपुर के कैंट विधानसभा के अंतर्गत नर्मदा की गोद में बैठा भटौली सर्वश्रेष्ठ जगह भी है. जिसका प्रस्ताव भी दिया जा चुका है. इस जगह के नजदीक रिंग रोड का भी काम शुरू हो रहा है. जिससे जबलपुर ही नहीं बल्कि महाकोशल के हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

332 हेक्टेयर भूमि, 3,260 करोड़ रुपए का भेजा प्रस्ताव

जबलपुर में बनने वाली ग्रीन फील्ड सिटी के लिए जिला प्रशासन ने करीब 3,260 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भी केंद्र शासन को स्वीकृति के लिए भेज दिया है. इस टैक्सटाइल एंड लॉजिस्टिक क्लस्टर की स्थापना की परियोजना में रेजिडेंशियल टाउनशिप, कमर्शियल एरिया स्कूल, हॉस्पिटल, होटल और मनोरंजन की सुविधा भी विकसित की जाएगी. इस प्रपोजल का क्रियान्वयन दो चरणों में किया जाएगा. जिससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा. इतना ही नहीं इस प्रोजेक्ट के लिए 332 हेक्टेयर भूमि को भी चिन्हित कर लिया गया है. नर्मदा नदी किनारे चिन्हित इस भूमि से इस परियोजना को ग्रीन सिटी के रूप में आसानी से विकसित भी किया जा सकता है।

जबलपुर कलेक्टर ने दिल्ली में दिया था प्रेजेंटेशन

आपको बता दें कि इस योजना को लेकर जबलपुर कलेक्टर ने केंद्र शासन के आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के एक्सपर्ट पैनल के सामने प्रेजेंटेशन भी दिया था. प्रेजेंटेशन के मुताबिक नर्मदा किनारे 332 हेक्टेयर भूमि ग्रीन फील्ड सिटी के लिए उपयोगी बताई थी. साथी जबलपुर और नजदीक के प्रमुख पर्यटन केंद्रों की भी जानकारी बताते हुए निर्माणाधीन रिंग रोड और एयर कनेक्टिविटी से भी शहर की प्राथमिकता पर जोर दिया था. जिससे एक्सपर्ट पैनल ने कहीं ना कहीं सहमति जताई थी. लिहाजा अब देखना होगा क्या मध्य प्रदेश के जबलपुर को इस प्रोजेक्ट में चुना जाता है या यह प्रोजेक्ट किसी और शहर की झोली में चला जाएगा।

राजस्व मंत्री वर्मा ने ग्राम थूनाकला में किया गौशाला का लोकार्पण

गौ-संरक्षण की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी सरकार- राजस्व मंत्री वर्मा

सीहोर (निप्र)। राजस्व मंत्री श्री करण सिहं वर्मा ने सीहोर विकासखण्ड के ग्राम थूनाकला में 37 लाख 84 हजार की लागत से निर्मित श्रीराम जानकी गौशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि सरकार गौ-संरक्षण की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी, परंतु यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती है, सरकार के साथ समाज को आगे आना होगा। इस कार्य में अच्छे लोग और संस्थाएं जुड़ रहे हैं। हमें गौ-शालाओं को आत्मनिर्भर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि यदि गाय की एक-एक चीज दूध, गोबर, गोमूत्र आदि का ढंग से उपयोग किया जाए तो गौशालाएँ स्वावलंबी हो सकती हैं। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में यह वर्ष गौ-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2024-25 गौ-संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में अभूतपूर्व सिद्ध होगा। इससे पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि बजट में पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र में किए गए प्रमुख प्रावधानों में गहन पशु विकास परियोजना के लिए 895 करोड़, गौ-संवर्धन एवं पशुओं के संवर्धन के लिए 252 करोड़, मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के लिए 196 करोड़, मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए 150 करोड़ तथा गौ-अभ्यारण अनुसंधान एवं उत्पादन केंद्र के लिए 100 करोड रुपए का प्रावधान शामिल हैं। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि आम नागरिकों के राजस्व संबंधी कामों का जल्द निराकरण हो सके लिए प्रदेश सरकार राजस्व महाअभियान 2.0 प्रारंभ किया है। इसके अंतर्गत राजस्व न्यायालयों, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित सभी राजस्व संबंधी कामों का निराकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान श्री सन्नी महाजन, श्री पंकज गुप्ता, श्री दुर्गादास कटारे, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सूरसिंह बारेला, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल, जनपद सदस्य श्रीमती सुमन भाटी, सरपंच श्रीमती रामकली वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

रतलाम मंडल से गुजरने वाली 8 ट्रेनों के फेरे बढ़ाये

रतलाम। ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में रतलाम मंडल से होकर परिचालित की जा रही 8 ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनों के फेरे को पुनः विस्तारित की जा रही है। वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा के अनुसार ट्रेनों के पुनः विस्तारित फेरों का विवरण निम्नानुसार है-

- अजमेर जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 09621 अजमेर - बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 04 अगस्त 2024 से 25 अगस्त 2024 तक चलेगी।
- बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस -अजमेर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 05 अगस्त 2024 से 26 अगस्त 2024 तक चलेगी।
- बीकानेर जंक्शन से चलने वाली गाड़ी संख्या 04711 बीकानेर -बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 07 अगस्त 2024 से 28 अगस्त 2024 तक चलेगी।
- बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 04712 बांद्रा टर्मिनस - बीकानेर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 08 अगस्त 2024 से 29 अगस्त 2024 तक चलेगी।
- बीकानेर से चलने वाली गाड़ी संख्या 04715 बीकानेर - साईनगर शिरडी साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 03 अगस्त 2024 से 31 अगस्त 2024 तक चलेगी।
- साईनगर शिरडी से चलने वाली गाड़ी संख्या 04716 साईनगर शिरडी - बीकानेर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 04 अगस्त 2024 से 1 सितंबर 2024 तक चलेगी।
- अजमेर से चलने वाली गाड़ी संख्या 09625 अजमेर - दौंड साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 01 अगस्त 2024 से 29 अगस्त 2024 तक चलेगी।
- दौंड से चलने वाली गाड़ी संख्या 09626 दौंड - अजमेर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल 02 अगस्त 2024 से 30 अगस्त 2024 तक चलेगी।

गाड़ी संख्या 09622 एवं 04712 के विस्तारित फेरो की बुकिंग 01 अगस्त 2024 से सभी पीआरएस एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों की आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव, कोच कंपोजिशन सहित अन्य जानकारियों के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

3

इंदौर, गुरुवार 01 अगस्त , 2024

जिला अस्पताल के मलेरिया विभाग के राकेश दुबे हुए रिटायर

इंदौर। इंदौर बीते बुधवार को जिला अस्पताल की मलेरिया विभाग के फिल्ड कर्मचारी राकेश दुबे का सेवानिवृत्ति उत्सव प्रेस क्लब परिसर स्थित महफ़िल रेस्टोरेंट में बड़ी ही सादगी के साथ मनाया गया इस अविस्मरणीय क्षण पर साथी कर्मचारियों ने माला पहनाकर उन्हें सम्मानित किया वहीं, इस मौके पर साथियों ने श्री दुबे का जन्मदिन भी उत्साह के साथ मनाया गया इस मौके पर जिला अस्पताल के स्वास्थ्य विभाग, मलेरिया विभाग,गोडाउन विभाग के सरफराज अली ,नारायण भाटिया, तेजसिंह और एकाउंट विभाग के पूर्व रिटायर साथी , विभिन्न समाज सेवी , हरीश फुलवाणी, वरिष्ठ अधिवक्ता सदाशिव खण्डारे , विजय देवांग ,विजय कुमावत, प्रीति मालवीय द्वारा सम्मान एवं नए जीवन की शुभकामनाएं प्रदान की गई आभार व्यक्त सौरभ दुबे द्वारा व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चार दिवसीय आंतरिक बैठक आज से

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क विभाग की आंतरिक बैठक एक से चार अगस्त तक इंदौर में होगी इसमें संघ और जनता के बीच की कड़ी- संपर्क विभाग के विभिन्न क्षेत्र और प्रांत के 180 पदाधिकारी और कार्यकर्ता अलग-अलग मुद्दों पर विचार मंथन करेंगे बैठक में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और सह कार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल मौजूद रहेंगे संघ के 11 क्षेत्र और सभी प्रांत के संपर्क और सहसंपर्क प्रमुख के साथ ही राष्ट्रीय सहसंपर्क प्रमुख सुनील देशपांडे और रमेश पप्पाजी भी आएंगे हर वर्ष देश के किसी एक बड़े शहर में होने वाली यह बैठक इंदौर में लंबे समय बाद हो रही है इसमें चार दिनों में 24 से अधिक सत्र होंगे, जिनमें संघ के अलग-अलग प्रांत और क्षेत्र के संपर्क और सहसंपर्क प्रमुख अपने वर्षभर के कामकाज का विवरण देंगे एक दिन वर्षभर के कार्यकाल की समीक्षा होगी और इसके बाद अगले दिन आने वाले वर्ष की कार्ययोजना बनाई जाएगी।

बायपास के दो अंडरपास की ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाने की तैयारी में एनएचएआई

इन्दौर। बायपास के दो मुख्य अंडरपास की ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है नेशनल हाईवेज अथॉरिटी आफ इंडिया ने इसके लिए दिल्ली के कंसल्टेंट की टीम बुलवाकर सर्वे भी करा लिया है और टीम अगस्त अंत तक अपनी रिपोर्ट विभाग को सौंप देगी मामला कनाडिया और बिचौलीहप्सी अंडरपास का है।एनएचएआई अफसरों का कहना है कि बायपास ट्रैफिक जाम होने की सबसे ज्यादा समस्या तीन जंक्शन पर आती है। इनमें कनाडिया और बिचौली जंक्शन के अलावा डीपीएस जंक्शन शामिल है। डीपीएस जंक्शन के पास एमआर-10 चौराहे पर एनएचएआई श्री लेयर फ्लायओवर बनवा रहा है, इसलिए वहां की समस्या अगले साल तक खत्म हो जाएगी कनाडिया और बिचौली अंडरपास बचे हैं, जहां ट्रैफिक जाम की समस्या लगातार बनी रहती है यही वजह है कि एनएचएआई ने उनकी ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाने की योजना बना रहा है। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल ने बताया कि दोनों अंडरपास पर आरई वॉल तोडक़र निचले हिस्से के बॉक्स की चौड़ाई और ऊंचाई बढ़ाने का काम खर्चीला होगा। इससे लोगों को भी काम के दौरान ट्रैफिक संबंधी कुछ समस्याएं पेश आ सकती हैं। कंसल्टेंट एल-वन की रिपोर्ट आने के बाद मुख्यालय से बजट संबंधी दिशा निर्देश लेंगे और स्वीकृति मिलने पर यह काम किया जाएगा। इस प्रक्रिया में कम से कम दो-तीन महीने का समय और लग सकता है।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही पाये जाने पर एक माह का वेतन होगा राजसात - कलेक्टर आशीष सिंह

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने सीएम हेल्पलाइन में आवेदनों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कठोर रूख अपनाया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे अगस्त माह में सीएम हेल्प लाइन के तहत दर्ज अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। प्रगति कम पाये जाने तथा लापरवाही पाये जाने पर एक माह का वेतन राजसात किया जायेगा। ज्ञात रहे कि गत 22 जुलाई 2024 को समयावधि प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि कुछ विभागों की सीएम हेल्पलाईन में रैकिंग काफी पीछे एवं शिकायतों के निराकरण का प्रतिशत काफी कम हैं। निर्देश दिये गये है कि प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। माह अगस्त में विभाग की रैकिंग 40 से अधिक आने पर संबंधित विभाग के कार्यालय प्रमुख का ÷कार्य नहीं तो वेतन नहीं ÷ के आधार पर एक माह का वेतन शासन पक्ष में राजसात किया जायेगा।

चौराहों पर लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार सहित अन्य बाधाएं हटाने के निर्देश

कलेक्टर सिंह ने शहर के 10 चौराहों का किया निरीक्षण

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर इंदौर शहर में यातायात सुधार के लिए लगातार विशेष प्रयास किये जा रहे है। इसी सिलसिले में जहाँ एक ओर सड़कों और फुटपाथों से अतिक्रमण और अन्य बाधाएं हटाई जा रही है, वहीं दूसरी और चौराहों पर भी लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार सहित अन्य कार्य किये जा रहे हैं। इसी संदर्भ में कलेक्टर आशीष सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर के 10 चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान इन्होंने चौराहों के यातायात को शीघ्र ही सुगम करने के निर्देश दिये। इस दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर. पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लौवंशी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर सिंह ने अपने भ्रमण की शुरुआत गीता भवन चौराहे से की। इस दौरान उन्होंने चौराहे के यातायात को देखा। उन्होंने इस चौराहे पर यातायात को सुगम बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। इसी तरह उन्होंने मधुमिलन चौराहा, छावनी चौराहा, जीपीओ चौराहा, नवलखा चौराहा, भंवरकुआ चौराहा, चोइथराम चौराहा, चाणक्यपुरी चौराहा, अन्नपूर्णा रोड़, महू नाका चौराहा और गंगवाल बस स्टैण्ड चौराहा के यातायात का अवलोकन किया। उन्होंने मधुमिलन चौराहा पर रूक कर यातायात को सुगम बनाने के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यहाँ जल्द ही

ऐसी व्यवस्था बनाई जाये जिससे की वाहन चालकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, यातायात भी जाम नहीं हो। उन्होंने यहाँ यातायात को सुगम करने की हर संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यहाँ ग्रेड सेपरेटर/फ्लाईओवर बनाने की संभावनाएं भी देखी जाये। ऐसी व्यवस्था यहाँ करे जिसका लाभ लम्बे समय तक मिले। इसी तरह उन्होंने चोइथराम चौराहा के यातायात को भी देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। गंगवाल बस स्टैण्ड चौराहा सहित अन्य चौराहों को भी सुगम यातायात के अनुकूल बनाने के निर्देश दिये। बताया गया कि उक्त चौराहों पर जल्द ही आवश्यकता के अनुसार यातायात सिग्नल के टाइमिंग को सुधारने लेफ्ट टर्न चौड़ा करने, इंजीनियरिंग एवं तकनीकी सुधार करने सहित अन्य बाधाएं हटाने के कार्य आदि किये जायेंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि चौराहों पर यातायात सुगम बनाने के लिए चौराहावार कार्य योजना बनाई जायेगी। इस कार्ययोजना को जन प्रतिनिधियों से चर्चा के उपरांत अंतिम रूप दिया जायेगा।

इस दौरान कलेक्टर सिंह ने विगत जून माह में किये गये चौराहों के निरीक्षण के दौरान दिये गये निर्देशों के परिपालन की जानकारी भी ली। बताया गया कि उस दौरान दिये गये निर्देशों के परिपालन में सभी 6 चौराहों पर आवश्यक कार्य एवं सुधार प्रारंभ कर दिये गये है। बताया गया कि बायपास मार्ग बिचौली में आईलैण्ड के डिस्मेंटलिंग का कार्य प्रगति पर है। रैडिसन चौराहा पर सर्विस रोड़ की इंट्री बंद करने हेतु कट बनाने का कार्य प्रगति पर है। फूट औवर ब्रिज बनाने हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है। सत्य साईं चौराहा पर वर्तमान में ब्रिज कार्य प्रगतिरत होने से निर्माणकर्ता एजेंसी द्वारा लेफ्ट टर्न का निर्माण कार्य भी किया जायेगा। विजय नगर चौराहा की रिडिजाइनिंग की जा रही है। यह कार्य प्रगति पर है। पाटनीपुरा चौराहा पर जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर वहाँ लगी प्रतिमा को स्थानांतरित करने और रोटरी हटाने की कार्यवाही की जायेगी। इंडस्ट्री हाउस चौराहा पर लेफ्ट टर्न के लिए जगह रिक्त करा दी गई है। लाइट पोल शिफ्टिंग का कार्य शेष है।

पीएमजेजेबीवाय में 1.30 लाख और पीएमएसबीवाय में 1.70 लाख

आंगनवाड़ी /मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को मिलेगा बीमा का लाभ

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ÷सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0÷ के अंतर्गत आंगनवाड़ी/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को सामाजिक सुरक्षा के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMJJBY)) के बीमा कवर का लाभ देने का निर्णय लिया गया है। गत मंगलवार को मंत्रि-परिषद ने भी इसकी मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत कुल एक लाख 30 हजार 894 आंगनवाड़ी/मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका लाभांवित होगी। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में कुल एक लाख 70 हजार 439 आंगनवाड़ी/ मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को लाभ मिलेगा। दोनों बीमा योजनाओं का क्रियान्वयन आंगनवाड़ी/मिनी कार्यकर्ता एवं सहायिका के मानदेय जमा किये जाने वाले बैंक खाते से संबंधित बैंक शाखा द्वारा किया जायेगा। बीमा योजना की प्रीमियम राशि उनकी सहमती से काटी जायेगी। जिसकी प्रतिपूर्ति भारत सरकार 60 प्रतिशत तथा राज्य सरकार 40 प्रतिशत वित्तीय व्यय भार अनुसार की जायेगी। योजना पर प्रतिवर्ष 6.05 करोड़ रूपये संभावित है, जिसमें राज्यांश के रूप में 2.42 करोड़ एवं केन्द्रांश राशि 3.63 करोड़ रूपये सम्मलित है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना

योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा सहायिकाओं को 436 रूपये प्रति हितग्राही वार्षिक प्रीमियम के भुगतान से, किसी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये का जीवन जोखिम कवर किया जायेगा।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना

योजना में 18 से 59 आयु वर्ग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा सहायिकाओं को 20 रूपये प्रति हितग्राही वार्षिक प्रीमियम के भुगतान से दूर्घटना में मृत्यु एवं स्थाई पूर्ण अपंगता की स्थिति में 2 लाख तथा आंशिक किन्तु स्थाई अपंगता की स्थिति में एक लाख रूपये की राशि का प्रावधान है।

दर्द बढ़ा तो मरीज ने कराई सर्जरी, 23 सेमी लंबा और 1.5 किलो का ट्यूमर निकला, डॉक्टर भी हैरान

इंदौर। इंदौर के इंडेक्स हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने ऐसा कमाल कर दिखाया, जो खुद उन्होंने कभी सोचा नहीं था। डॉक्टरों ने एक मरीज के पेट से करीब 23 सेंटीमीटर लंबा और करीब 1.5 किलो वजन का ट्यूमर निकालकर सभी को हैरत में डाल दिया ऑपरेशन के जरिए डॉक्टरों ने मरीज को नया जीवन दिया है फिलहाल, मरीज एकदम स्वस्थ है उसके परिजनों ने डॉक्टरों और उनकी टीम को धन्यवाद दिया किया है डॉक्टरों ने बताया कि ट्यूमर काफी बड़ा होने के कारण उसे चलने-फिरने में समस्या हो रही थी। खाना-पीना भी कम हो गया था काफी सोच विचार के बाद डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन करने का फैसला किया था डॉक्टर इनानी माहेश्वरी के मुताबिक 24 वर्षों से सर्जरी के केस कर रही हूं, लेकिन इस तरह के जटिल ट्यूमर कम ही मिलते हैं। शरीर के इस हिस्से में अभी तक विश्व में 15 सेमी से कम और 700 से 800 ग्राम वजन तक का ट्यूमर मिला है शरीर के इस हिस्से में एक प्रतिशत से भी कम मरीजों में ब्रॉड लिगामेंट फाइब्रॉयड ट्यूमर मिलता है हमारी टीम ने विश्व में मिलने वाले सबसे दुर्लभ 23 सेमी और 1.5 किलो वजनी इस बेनाइन ट्यूमर का सफल निःशुल्क ऑपरेशन किया गया इस ट्यूमर से मरीज को जान का खतरा भी होता है कई बार यह कैंसर के ट्यूमर में बदल सकता है। बड़ी आंत सहित शरीर के मुख्य अंगों के साथ किडनी, यूरेटर और दिल को खून सप्लाई करने वाली नसों से चिपका होने के कारण नस फटने का जोखिम अधिक रहता है। इन स्थितियों में ये सर्जरी करना काफी जटिल होता है।

इंदौर: कृष्णबाग कॉलोनी के रहवासियों को हाईकोर्ट से लगा झटका,16 रहवासियों ने लिया था स्टे

16 में से कोई भी नक्शा प्रस्तुत नहीं कर पाया

इंदौर। न्याय नगर की कृष्णबाग कॉलोनी मामले में रहवासियों की परेशानी बढ़ गई है 16 रहवासियों ने अपने आशियाने बचाने की खातिर प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी 24 जून 2024 को इनकी सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट की एकल पीठ ने प्रशासन की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी बिल्डर ने इस आदेश को चुनौती दी और अपील दायर कर दी। इस अपील को स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट की युगलपीठ ने एकलपीठ के स्टे आदेश को निरस्त कर दिया। अब प्रशासन इन 16 रहवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र हो गया है। मामले में कुछ और याचिकाएं अभी लंबित हैं। गौरतलब है कि प्रशासन ने पिछले दिनों कृष्णबाग कॉलोनी में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की थी। न्याय नगर के 16 रहवासियों ने प्रशासन की कार्रवाई को गलत बताते हुए याचिका दायर कर स्टे ले लिया था। अपीलार्थी मे. श्रीराम बिल्डर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वीके जैन और पद्मनाभ सक्सेना ने पैरवी की। सोमवार को युगलपीठ ने इस मामले में विस्तृत फैसला जारी किया। कोर्ट ने कहा कि जिन 16 लोगों की याचिका पर एकल पीठ ने स्टे दिया था उनमें से 10 लोगों के पास सिर्फ विक्रय अनुबंध है रजिस्ट्री नहीं। तीन लोगों के पास रजिस्ट्री तो है, लेकिन ये रजिस्ट्रियां श्रीराम बिल्डर ने नहीं बल्कि किसी अन्य ने उनके पक्ष में की थी इसी तरह तीन लोगों ने अपने पक्ष में कोई दस्तावेज ही प्रस्तुत नहीं किया कोर्ट ने कहा कि 16 लोगों में से कोई भी भवन अनुज्ञा और नगर निगम से स्वीकृत नक्शा प्रस्तुत नहीं कर सका है।

बेसमेंट में संचालित हो रहे कोचिंग, होस्टल,लाइब्रेरी की जांच शुरू

इंदौर के 14 संस्थानों पर कार्रवाई की गई

इंदौर। संभाग के सभी जिलों में सभी कोचिंग, लाइब्रेरी की जांच की जाएगी। संभागायुक्त दीपक सिंह ने संभाग के समस्त जिला कलेक्टर्स एवं नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए है कि उनके जिले में बेसमेंट में संचालित कोचिंग क्लासेस, हास्पीटल, होस्टल्स, लायब्रेरी की दल गठित कर सघन जांच की जाए। इंदौर जिले में टीम बनाकर जांच शुरू भी की जा चुकी हैं।दिल्ली की एक बिल्डिंग के बेसमेंट में संचालित कोचिंग क्लास में पानी भरने से हुई असामयिक मौतों की घटना के मद्देनजर संभाग के सभी जिलों में जांच के निर्देश दिए है। संभाग के समस्त जिलों के शहर अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में बिल्डिंग के बेसमेंट में संचालित कोचिंग क्लास, हॉस्पिटल, लाइब्रेरी, होस्टल की सघन जांच किए जाने संबंधित निर्देश दिए है संयुक्त जांच दल हुआ गठित उन्होंने पृथक-पृथक क्षेत्र के लिए एक संयुक्त जांच दल गठित किया जाकर जांच के निर्देश दिए है। उन्होंने उक्त दल में कार्यपालिक दण्डाधिकारी, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका अथवा निगम के अधिकारी, अग्नि सुरक्षा तथा विद्युत सुरक्षा आदि विभागों के अधिकारी को सम्मिलित करते हुए जांच दल गठित करने के निर्देश दिए है। उक्त दल निरीक्षण पश्चात प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे कि उक्त संस्थान में विद्युत सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, निवास के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी संस्थान में अनियमितता पाई जाती है तो उक्त संस्थान के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उक्त संबंध में जिले एवं निगम में एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति संबंधित निर्देश भी दिए है।

इंदौर जिले में शुरू हुई जांच

संभागायुक्त के निर्देश के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले में टीमें गठित कर दी बीते मंगलवार को भावरकुआ क्षेत्र में अभियान भी चलाया गया इसमें 14 संस्थानों पर कार्रवाई की गई है 6 दिनों तक लगातार कार्रवाई चलेगी एसडीएम के निर्देश में जांच की जा रही ।

ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी और इंजीनियर तकनीकी के साथ व्यवहारिक दृष्टिकोण भी अपनाये - ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल

मंत्री ने किया क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण*

इंदौर। प्रदेश के ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने ग्रामीण विकास विभाग के इंजीनियर और अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों में तकनीकी के साथ व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुये ग्रामीण विकास के कार्यों को नई गति एवं नई दिशा दे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़े सभी अधिकारी एवं इंजीनियर पूर्ण जवाबदेही एवं गंभीरता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। वे अपने कार्यों से लोगों का भरोसा भी हासिल करें।

व्यवस्थाओं को सुधारने और प्रशिक्षण के अनुकूल वातावरण बनाने के दिये निर्देश

मंत्री पटेल क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित ग्रामीण विकास विभाग के इंजीनियरों और अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा की एवं उनके अनुभव सुने। श्री पटेल ने कहा कि जीवन में प्रशिक्षण का विशेष महत्व है। नई जानकारी, नई तकनीक एवं नई विधा सीखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर सभी लोग समन्वित प्रयास कर ग्रामीण विकास को नई दिशा दे। उन्होंने कहा कि जीवन में कार्य करने के बहुत अवसर है। सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास कार्यों में जगह का चिन्हाकंन सही हो। कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में किये जाये। उन्होंने क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण कक्ष, प्रशिक्षणार्थियों की आवास एवं भोजन व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने यहाँ वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर विधायक मधु वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त आयुक्त प्रतीक सोनवलकर, उपायुक्त श्रीमती मधुलिका शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 01 अगस्त , 2024

संपादकीय | धोखे के धंधे में जान गंवा रहे हैं बेरोजगार

रूस में एक और भारतीय युवक के युद्ध में मारे जाने को लेकर आवाजें उठनी शुरू हो गई हैं। लोकसभा में विपक्ष के एक नेता के सवाल के जवाब में विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि रूस ने अपनी सेना में भर्ती दस भारतीय युवकों को मुक्त कर दिया है और वे जल्दी ही वापस लौट आएंगे। इसी महीने प्रधानमंत्री ने रूस यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात में यह मुद्दा उठाया था और कहा गया था कि रूस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। बाकी युवाओं के भी जल्दी वापस लौटने की उम्मीद है।

हालांकि अभी तक इस बात की ठीक-ठीक जानकारी नहीं है कि कितने भारतीय युवा रूसी सेना में शामिल किए गए हैं और उनमें से कितनों को युद्ध क्षेत्र में अगली कतार में तैनात किया गया है। पिछले दिनों जब दो भारतीय युवाओं के युद्ध में मारे जाने की खबर आई थी, और कुछ युवाओं ने अपनी तस्वीर डाल कर रिहाई की गुहार लगाई थी, तब इस बात का खुलाया हुआ था कि बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को रोजगार दिलाने के नाम पर धोखे से रूसी सेना में तैनात कर यूक्रेन के साथ युद्ध में तैनात किया गया है। तब भी सरकार ने आश्वस्त किया था कि ऐसे नौजवानों को वापस लाने की कोशिश की जा रही है।

दरअसल, नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ एजंटों ने युवाओं से भारी रकम लेकर फर्जी कागजात के जरिए गुप्त रास्तों से उन्हें रूस भेज दिया। शुरू में इन नौजवानों को सुरक्षा सहायक के तौर पर भर्ती किया गया और फिर डरा-धमका कर युद्ध क्षेत्र में धकेल दिया गया। कुछ लोगों का अनुमान है कि सौ से ऊपर ऐसे युवा रूसी सेना में

शामिल कर लिए गए हैं। अब सरकार ने उन एजंटों की पहचान शुरू कर दी है, जो धोखे से नौजवानों को विदेशों में नौकरी के लिए भेजती हैं। कुछ एजंट पकड़ भी लिए गए हैं।

हालांकि इस तरह फर्जी कागजात बना कर युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर विदेश भेजने का धंधा कोई नया नहीं है। ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने के अनेक प्रयास हो चुके हैं, लोगों से अपील की जाती है कि विदेश मंत्रालय में पंजीकरण करा कर ही दूसरे देश में नौकरी आदि के लिए जाएं, मगर फिर भी गलत तरीके से विदेश जाने का सिलसिला रुक नहीं रहा। सरकार के सामने मुश्किल तब खड़ी हो जाती है, जब इस तरह दूसरे देशों में गए लोग किसी मुसीबत में फंस जाते हैं।

हमारे देश में बेरोजगारी का आलम यह है कि एक पद के लिए हजारों अभ्यर्थी कतार में लग जाते हैं। वे किसी भी तरह रोजगार पाना चाहते हैं। दूसरे देशों में चूंकि रोजगार के अवसर अधिक हैं और वहां वेतन आदि भी अच्छा मिल जाता है, इसलिए किसी भी दूसरे देश में जाने को तैयार रहते हैं। इसके लिए जमीन-जायदाद बेच कर एजंटों को पैसा देने को भी तैयार हो जाते हैं। इसी ललक का फायदा एजंट उठाते हैं। रूस भेजे गए नौजवानों को अगर वहां की सेना में भर्ती कर युद्ध क्षेत्र में तैनात न किया गया होता, तो यह मामला भी सामने न आता। ऐसे में फिर से सरकार के सामने यह प्रश्न रेखांकित हुआ है कि आखिर वह कबूतरबाजी करने वाले एजंटों पर नकेल कसने और गलत रास्ते से विदेश जाने वाले युवाओं को जागरूक कर पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रही।

पेरिस ओलंपिक : उत्साह जगाती है मनु भाकर की उपलब्धि

पेरिस में चल रहे ओलंपिक खेलों का अभी शुरुआती दौर है और पदक तालिका में देशों और खिलाड़ियों के नाम दर्ज होने शुरू हुए हैं। भारत के नाम भी एक पदक दर्ज हुआ है। इससे आगे के सफर के लिए उम्मीद जगती है। रविवार को भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने दस मीटर एअर पिस्टल निशानेबाजी के महिला वर्ग में प्रतिभागी देशों के खिलाड़ियों को अच्छी चुनौती दी और उन्हें 221.7 अंक हासिल हुए। अंतिम दौर में वे तीसरे स्थान पर रहीं। उन्हें इस वर्ग की प्रतियोगिता में कांस्य पदक मिला और इसी के साथ पेरिस ओलंपिक में भारत के नाम पहला पदक दर्ज हुआ। अभी भारत को अन्य कई खेलों में हिस्सा लेना है और उसमें विश्व स्तर के खिलाड़ियों की क्षमताओं की चुनौतियों का सामना करना है। मगर पिछले कुछ वर्षों में हुई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान कुछ खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जैसे उत्साहजनक संकेत मिले हैं, उससे पेरिस ओलंपिक में भी उनसे पदक लाने की उम्मीद है। निशानेबाजी में मनु भाकर को मिले कांस्य पदक के साथ ही इस खेल में पदक मिलने का भारत का पिछले बारह वर्ष का इंतजार खत्म हुआ। दरअसल, इस उपलब्धि के साथ ही पहली निशानेबाज बन कर मनु भाकर ने एक इतिहास रच दिया है। हालांकि इससे पहले तोक्यो ओलंपिक में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और इसके लिए उन्हें कुछ आलोचनाएं भी झेलनी पड़ीं, लेकिन प्रसिद्ध कवयित्री और मानवाधिकार कार्यकर्ता माया एंजेलो की कविता 'स्टिल आइ राइज' यानी अभी मुझे आगे बढ़ना है से प्रेरणा लेने वाली मनु भाकर फिर से उठ खड़ी हुईं और अब वे ओलंपिक में पदक विजेता हैं। अब देखना है कि निशानेबाजी में भारत के अन्य खिलाड़ी और क्या हासिल कर पाते हैं। मनु भाकर को मिले कांस्य की अहमियत पदक तालिका में कुल नतीजों से अलग इस रूप में है कि किसी भी खेल प्रतियोगिता में शुरुआती जीत या हावी होने की स्थितियां बाकी खेलों के प्रदर्शन में भी दम भरती हैं। इस लिहाज से देखें तो पिछले ओलंपिक की पदक तालिका में संतोषजनक जगह बना सकने वाली भारतीय खिलाड़ियों की टीम के लिए मनु भाकर की उपलब्धि उत्साह बढ़ाने वाली साबित हो सकती है।

आज का कार्टून

कोचिंग सेंटर में हुई छात्रों की मौत का जिम्मेदार कौन?

एक जानकारी के अनुसार यूपीएससी की सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने के लिए मुखर्जी नगर व आसपास के क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष करीब एक लाख छात्र तैयारियों के लिए पहुंचते है। मुखर्जी नगर इलाका अपने आप में मिनी भारत है। यही हालत राजेंद्र नगर की भी है. यहां हर वर्ष प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, उड़ीसा, पूर्वोत्तर राज्यों से भी छात्र पहुंचते हैं। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर में में यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले महंगे से लेकर सस्ते कोचिंग भी मौजूद हैं। यही वजह है कि यहां पर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले बच्चे भी अपनी तैयारी आसानी से कर लेते हैं। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर के रिहायशी इमारतों में व्यावसायिक गतिविधियां चलाने का गढ़ बन चुका है। बीते एक दशक में यहां कोचिंग सेंटरों की बाढ़ आ गई है।

अशोक मधुप

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस स्टडी (कोचिंग) सेन्टर के बेसमेंट में अचानक बारिश का पानी घुस जाने से चार घंटे से अधिक समय तक फंसे रहने से तीन छात्रों की मौत हो गई। घटना के समय बेसमेंट के पुस्तकालय में 30-35 छात्र थे। पानी आते देख बाकी निकल गए। तीन फंसे रह गए, उनकी मौत हो गई। कोचिंग सेंटर के स्वामी और कांड थनेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले मुकर्जी नगर दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर में (15 जून 2023) को आग लग गई। छात्रों को कोचिंग सेंटर की खिड़की से निकलकर जान बचानी पड़ी। इस हादसे में 60 छात्र घायल भी हुए। कोचिंग सेंटर में हादसे होना, प्रतिभागियों का आत्महत्या करना आज आम है। घटना होती है। जांच के आदेश होते हैं किंतु होता कुछ नहीं। कोचिंग सेंटर चलाने वाले भारी प्रभावशाली है, दूसरे हमारी व्यवस्था पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी है, पैसे के सामने इंसान की मौत की फाइले कूड़े में चली जाती हैं, फिर एक नया हादसा होता है, फिर जांच होती है, फिर फाइल कूड़े में चली जाती है।

राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर में मृतक छात्रों की पहचान तानिया सोनी, श्रेया यादव (दोनों की उम्र 25 वर्ष) और नवीन डेल्विन (28) के रूप में की गई है। तानिया तेलंगाना और श्रेया उत्तर प्रदेश की थीं, जबकि नवीन केरल के निवासी थे। वे सभी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। शनिवार को कई छात्र कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में बनी लाइब्रेरी में थे कि अचानक सैलाब सा आया और उसमें तीन छात्रों की तड़पकर मौत हो गई। बताया जाता है कि बेसमेंट की परमीशन स्टोर के लिए थी, लाइब्रेरी के लिए नही, फिर भी लाइब्रेरी चल रही थी।

दिल्ली पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि पानी बेसमेंट तक कैसे पहुंचा, जिसका इस्तेमाल कोचिंग संस्थान लाइब्रेरी के तौर पर कर रहा था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बेसमेंट, जो जमीन से लगभग आठ फीट नीचे है, में एक लाइब्रेरी थी, जहां शनिवार शाम को कई छात्र मौजूद थे, सूत्रों के मुताबिक, भारी बारिश के बाद कोचिंग सेंटर का गेट बंद कर दिया गया। पानी को बिल्डिंग में प्रवेश करने से रोकने के लिए कोचिंग सेंटर के प्रवेश द्वार पर एक स्टील शेड लगाया गया है। पुलिस और अग्निशमन विभाग जांच कर रहे हैं कि बेसमेंट में पानी कैसे भरा, दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने शहर के उन सभी कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया जो इमारतों के बेसमेंट में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कोचिंग सेंटर भवन निर्माण उपनियमों का उल्लंघन हैं और मानदंडों के अनुरूप नहीं हैं। बताया जाता है कि नगर निगम की मिलीभगत से राजेंद्र नगर में 95 प्रतिशत कोचिंग बेसमेंट में चल रहे हैं।

लगभग एक साल पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने मुखर्जी नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में 15 जून 2023 गुरुवार को लगी आग की घटना का शुक्रवार को खुद से संज्ञान लिया, कोर्ट ने दिल्ली सरकार, दिल्ली फायर सर्विस डिपार्टमेंट, दिल्ली पुलिस और एमसीडी को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने फायर सर्विस डिपार्टमेंट को निर्देश दिया कि वो ऐसे सभी संस्थानों में आग से बचाव के इंतजामों (फायर सेफ्टी ऑडिट) और उनके फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की जांच करे। ये आदेश दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 जून 2023 को दिए। जांच ये भी

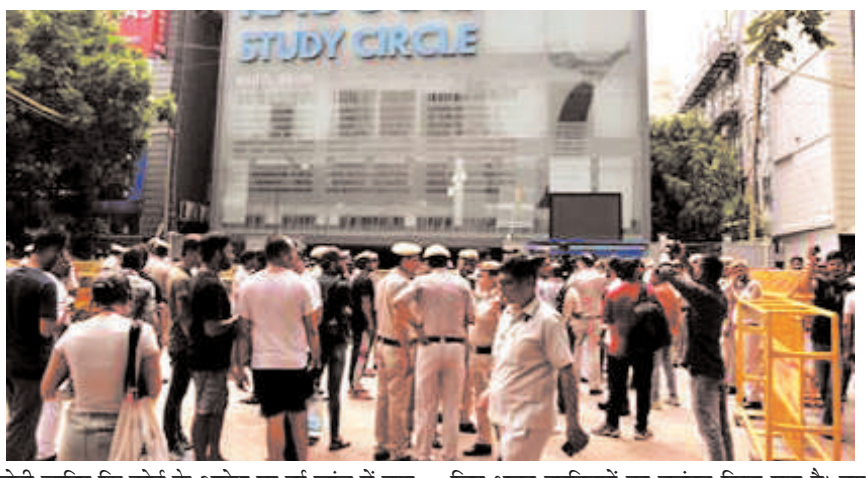

होनी चाहिए कि कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में क्या हुआ? कहीं सब खानापूरी होकर ही तो नहीं रह गई? यदि उस समय सही से जांच हो जाती। गलत रूप से चल रहे केंद्र बंद हो जाते तो निश्चित रूप से ये हादसा नहीं होता। ये हादसा इस बात को चिल्ला-चिल्लाकर बता रहा है कि ये जांच सही नहीं हुई।

घटना होती है, जांच के आदेश होते हैं, ये ही आदेश जांच अधिकारियों को लूट का अधिकार दे देते हैं। इस आदेश के बाद जांच अधिकारी जाएंगे, कोचिंग सैंटर में कमी निकालेंगे। नोटिस देंगे। अपना सुविधा शुल्क वसूलेंगे और कुछ दिनों बाद सब फाइलों में दबकर रह जाएगा। कुछ समय बाद फिर हादसा होगा, फिर जांच होंगी। फिर अधिकारियों को आपदा में अवसर मिलेंगे। फिर खेल होगा। सब ऐसे ही चलता रहेगा, जैसे चल रहा है। इस भ्रष्ट हो चुकी सरकारी मशीनरी के सुधरने की उम्मीद नहीं लगती। कठोर अनुशासन लागू किये बिना ये सुधरने वाली नहीं। जरूरत सरकारी तंत्र को सुधारने की है। दरअसल मुखर्जी नगर हिंदी भाषी छात्रों और राजेंद्र नगर अंग्रेजी भाषी छात्रों का सिविल सेवा की तैयारी करने के बड़े केंद्र बन गया है। यहां कई कोचिंग संस्थानों का घर है। हर वर्ष सिविल सर्विसेज की परीक्षा में सबसे ज्यादा अभ्यर्थी भी यहीं से चयनित होते हैं।

एक जानकारी के अनुसार यूपीएससी की सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने के लिए मुखर्जी नगर व आसपास के क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष करीब एक लाख छात्र तैयारियों के लिए पहुंचते है। मुखर्जी नगर इलाका अपने आप में मिनी भारत है। यही हालत राजेंद्र नगर की भी है. यहां हर वर्ष प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, कर्नाटक, उड़ीसा, पूर्वोत्तर राज्यों से भी छात्र पहुंचते हैं। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर में में यूपीएससी की सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले महंगे से लेकर सस्ते कोचिंग भी मौजूद हैं। यही वजह है कि यहां पर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले बच्चे भी अपनी तैयारी आसानी से कर लेते हैं। मुखर्जी नगर और राजेंद्र नगर के रिहायशी इमारतों में व्यावसायिक गतिविधियां चलाने का गढ़ बन चुका है। बीते एक दशक में यहां कोचिंग सेंटरों की बाढ़ आ गई है। ज्यादातर घरों में या तो कोचिंग सेंटर चल रहे हैं या फिर लाइब्रेरी या पीजी बनाकर संपत्ति मालिक चांदी काट रहे हैं लेकिन नगर निगम को शुल्क देने में अब भी कतराते हैं। इन संपत्तियों का व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। ज्यादातर इमारतों को कोचिंग संस्थान में बदलने के लिए भवन उपनियमों का उल्लंघन किया गया है। तय मानकों को नजरअंदाज कर कमरों को हाल में तब्दील कर दिया गया है। इसके चलते कई इमारतें ढांचागत रूप से कमजोर भी हो गई हैं। यूपीएससी, एसएससी आदि की तैयारी करने वाले छात्र कोचिंग संस्थान संचालकों की मनमानी के खिलाफ आवाज नहीं उठा पाते। इन्हें क्लास में भेड़-बकरियों की तरह ठूस कर पढ़ाया जाता है। 25 मई 2019 को गुजरात के सूरत के एक कोचिंग में आग लगने से 22 छात्र की मौत के बाद गुजरात सरकार ने अग्नि सुरक्षा निरीक्षण किए जाने तक गुजराज सरकार ने राज्य के सभी निजी कोचिंग केंद्रों को बंद करने का आदेश दिया। सरकार ने स्कूलों, कॉलेज, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, शॉपिंग मॉल और अन्य व्यावसायिक भवनों के अग्नि सुरक्षा निरीक्षण का भी आदेश दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने दिल्ली के सभी कोचिंग सेंटरों का अग्नि सुरक्षा निरीक्षण करने का निर्णय लिया था। उस समय भी आदेश हुए थे। जांच हुई। नियमों के विपरीत चलने वालों को नोटिस देकर कार्रवाई पूरी कर दी गई। लोगों से संबधित अधिकारियों का प्रसन्न कर दिया। काम पहले ही तरह ही चलता रहा। इसमें भी ऐसा ही होता लगता है। दरअसल इस तरह की बड़ी घटनाएं संबधित अधिकारियों की आय का माध्यम बनते हैं। देखने में आया है कि विभाग के अधिकारी निरीक्षण कर कमी बता देते हैं। नोटिस भेज देतें हैं। प्राय इन्होंने ही अग्निशमन सुरक्षा के उपकरण लगाने वालों से मेल-जोल कर रखा है। ये उपकरण लगाने वाले विभागीय अधिकारियों के चहेते होते हैं तो काम मानक के अनुरूप नही करते। पूरा पैसा लेकर भी काम पूरा नही करते। सब पहले की तरह ही चलता रहता है। ऐसे में हादसे होने पर जब तक व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई नही होती , तब तक कुछ सुधरने वाला नही है। जांच करानी चाहिए कि इसमें किस-किस विभाग के अधिकारी की गलती रही है। किसने जिम्मेदारी नही निभाई। जिम्मदारी तो होने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई भी होनी चाहिए, उनपर गैर इरादतन हत्या के मुकदमें दर्ज होने चाहिएं, भले ही वह रिटायर हो गए हों। यह भी तो होना चाहिए कि 2019 की सूरत की घटना के बाद हुई जांच में क्या हुआ था। इसके बिना कुछ होने वाला नही है। इस प्रकरण में तो नगर निगम की लापरवाही सीधे-सीधे नजर आती है। बिना अनुमति बेसमेंट में चलते कोंचिग पर रोक लगाना उसकी जिम्मेदारी है। दूसरी नालों की सफाई उसी का कार्य है। दोनो में लापरवाही हुई है।

आभासी दुनिया का संजाल...

गौरव बिस्सा

हाल ही में एक ऐतिहासिक तीर्थ स्थल और संग्रहालय पर पर्यटकों की संख्या नगण्य देखी गई, जबकि खानपान की दुकानों, नौका विहार, समुद्र तट आदि पर भारी भीड़ थी। भीड़ में प्रत्येक व्यक्ति वीडियो या रील बनाने, धीमी गति की फिल्म बनाने और फोटो खिंचवाने में व्यस्त था। ऐतिहासिक स्थलों के इतिहास और भूगोल के विषय में अभिभावक अपने बच्चों के प्रश्नों का जवाब नहीं दे पा रहे थे। वे बच्चों को फोटो खिंचवाने के लिए मुद्राएं बनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे. बच्चों के प्रश्नों की बौछार से उनके अभिभावक बच्चों को झिड़क रहे थे, क्योंकि उन्हें खुद कुछ ज्ञान नहीं था। सवाल है कि क्या जीवन का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ भौतिक आनंद लेना भर रह गया है? क्या सिर्फ तस्वीरें खिंचवाना, सोशल मीडिया पर मशहूर होना, लोगों में यह दिखाना कि व्यक्ति बहुत आनंदित है आदि ही जीवन के लक्ष्य रह गए हैं? यह स्थिति बहुत गंभीर है कि एक वयस्क नागरिक को इतिहास के बारे में सामान्य जानकारी भी नहीं है। व्यक्ति अपने राष्ट्र गौरव, अपनी थातियों, संस्कृति और अपने देश से इस स्तर तक कट चुका है कि वह बच्चों के मन में उठते प्रश्नों का उत्तर देने में असमर्थ है। जब एक माता-पिता को यह जानकारी नहीं कि उसके देश के महत्त्वपूर्ण गौरवशाली व्यक्तित्व कौन हैं, तो वे अपनी पीढ़ी में राष्ट्र गौरव के संस्कारों को कैसे बीजारोपित कर पाएंगे? अभिभावक सिर्फ भोजन, आनंद, मनोरंजन, तस्वीरों और सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों या टिप्पणियों पर आने वाली पसंदगी और साझा किए जाने में ही अपनी जिंदगी की खुशी तलाशते प्रतीत हो रहे हैं। क्या वर्तमान अभिभावक अपने बारह से पंद्रह वर्षीय संतानों के साथ देश के ताजा घटनाक्रमों पर, वित्त और रक्षा नीति पर, सामान्य विज्ञान के सिद्धांतों, सांस्कृतिक गौरव आदि विषयों पर चर्चा करने में समर्थ हैं? शायद नहीं। यह अत्यंत कष्टदायक है। हम घूमने क्यों जाते हैं? व्यंग्यात्मक भाषा में इसका उत्तर है- हम 'रील' बनाने, तस्वीरें खिंचवाकर सोशल मीडिया पर डालने के लिए घूमने जाते हैं! इसी को शायद जीवन की खुशी मान लिया गया है। खुशी को सिर्फ 'रील', सुंदर कपड़ों और भोजन करने से जोड़ दिया गया है। यह एक दुखद सत्य है। व्यक्ति अपने आनंद की जगह दूसरों को यह दिखाने में व्यस्त है कि वह बहुत सुखी है। आनंद की जगह दिखावे ने ले ली है। क्या 'रील' बना रहे हैं, क्यों बना रहे हैं, उसका उद्देश्य क्या है, समाज को उसका क्या संदेश मिलेगा, इन सब पर समाज मौन है। यों किसी को अपनी सुविधा से खुद को अभिव्यक्त करने का अधिकार है, मगर यह भी सच है कि रील और तस्वीरों ने कई दंपतियों का जीवन खराब किया है। इन चित्रों और टिप्पणियों के कारण परस्पर समन्वय में कमी आ रही है, तुलना बढ़ रही है और दांपत्य जीवन कष्टप्रद हो रहा है। आनंद भीतर है। ऊपरी दिखावे, रील, फोटो, स्टेटस और कपड़ों से वास्तविक खुशी मिलनी असंभव है।

दरअसल, इस तरह के शौक के पीछे छिपी है लोगों द्वारा स्वीकार किए जाने की इच्छा। इस कार्य के पीछे दिखावा है, खुद को औरों से अधिक सुखी दिखाने का भाव है। दूसरे हमारी बात का समर्थन करें और हमें स्वीकार करें, क्या यह आवश्यक है? सोशल मीडिया पर फोटो डालकर या कुछ लिखकर व्यक्ति दूसरों से सराहना और स्वीकारोक्ति चाहता है। क्या मनुष्य खुद की नजर में इतना अशक्त और निर्बल है कि जब तक दूसरे लोग उसे खुश न मानें, तब तक वह खुश नहीं होगा? यह सोचने की जरूरत है कि हम पढ़ने के शौकीन हैं और हमने यह बात सोशल मीडिया पर लिखी। अब जो पढ़ने का शौकीन होगा, वह हमारे काम की तारीफ करेगा और जो शौक नहीं रखता होगा, वह आलोचना करेगा। इसमें मानसिक तनाव क्यों लेना? इंटरनेट एक खुला मंच है। कोई रोक-टोक नहीं हैं। जो जैसा चाहे, वैसा लिख सकता है। ऐसी अवस्था में दूसरों की टिप्पणियों को दिल से लगाया जाना अनुचित है। सच यह है कि 'रील' और तस्वीरों के जरिए लोकप्रियता हासिल होने की प्यास जगाना बाजार का एक मायाजाल है, जिसे कंपनियों ने गढ़ा है। करीब बीस वर्ष पूर्व किराए पर परिधान लाकर दूल्हा-दुल्हन विवाह संपन्न कर लेते थे। वे समझते थे कि एक बार पहने जाने वाले महंगे परिधानों पर बेवजह खर्च करना ठीक नहीं है। अब ऐसे बचत प्रधान समाज में कंपनी अपना उत्पाद कैसे बेचे? इसलिए प्रत्येक समारोह और त्योहार का व्यवसायीकरण शुरू हो गया। समारोह में एक जैसे परिधान पहनना, फोटो खींचना आदि इसी रणनीति का हिस्सा हैं। भारत में विवाह के दौरान पहने जाने वाले महिलाओं के परिधानों का बाजार और 'रीलों' के निर्माण और तस्वीरें खिंचवाने की तथाकथित प्रतियोगिता के कारण मोबाइल का बाजार बेतहाशा वृद्धि कर रहा है।

कुछ दिनों पहले एक खबर आई कि मां ने किशोरी को मोबाइल छोड़कर पढ़ने को कहा और उसे मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल करने पर टोका। इस बात से नाराज होकर किशोरी ने आमघाती कदम उठा लिया। ऐसे और भी समाचार आए दिन आते रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिनिमम बैलेंस न रखने पर खाताधारकों से सरकारी बैंकों ने 2000 करोड़ वसूले

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के 11 बैंकों ने बचत खातों में मिनिमम बैलेंस बनाए न रखने पर खाताधारकों से 2331 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में वसूल किए हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के जवाब में वित्त मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि इन बैंकों ने पिछले तीन वर्षों में न्यूनतम शेष राशि न बनाए रखने के लिए खाताधारकों से 5,614 करोड़ रुपये वसूले हैं। वित्त वर्ष में 12 में से 11 सार्वजनिक बैंकों ने बचत खातों में मिनिमम बैलेंस न रख पाने वाले खाताधारकों से 25 फीसदी ज्यादा जुर्माना वसूला है। एसबीआई ने वित्त वर्ष 2020 में ही मिनिमम बैलेंस न होने पर जुर्माने का प्रावधान हटा दिया था।

स्टेट बैंक ने कोई पैसा नहीं लिया

वित्त मंत्रालय की जानकारी के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक ने वित्त वर्ष 2020 में ही न्यूनतम राशि न होने पर जुर्माने का प्रावधान हटा दिया था। शेष 11 बैंकों द्वारा वित्त वर्ष 2024 में खाताधारकों से वसूली गई 2331 करोड़ की रकम वित्त वर्ष 2023 के 1,855.43 करोड़ रुपये से 25.63 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इन बैंकों ने पिछले तीन वर्षों में खाताधारकों से 5,614 करोड़ रुपये वसूले हैं। सबसे ज्यादा 633.4 करोड़ रुपये का जुर्माना पंजाब नेशनल बैंक ने वसूली। बैंक ऑफ बड़ौदा 386.51 करोड़ की राशि के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, इंडियन बैंक ने 369.16 करोड़ रुपये की राशि वसूल की। यदि निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा लगाए गए शुल्कों पर ध्यान दिया जाए तो न्यूनतम शेष राशि पर जुर्माना काफी अधिक होगा।

अभी मंगवा कर रख लीजिए सरिया, फायदे में रहेंगे... दिल्ली से मुंबई तक मिल रहा इतना सस्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपने सपनों का आशियाना बनवाने का प्लान कर रहे हैं और इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि बिल्डिंग मैटेरियल्स के दाम घटें, तो फिर आपके लिए सुनहरा मौका है. बारिश के मौसम में इनकी कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. दिल्ली से मुंबई तक और इंदौर से गोवा तक Sariya Price में कमी आई है. ऐसे में घर बनवाने की तैयारी है, तो खासतौर पर सलिया अभी मंगवा का रख लीजिए, इससे कंस्ट्रक्शन पर होने वाले आपके खर्च में कमी आ सकती है. आज के समय में सबसे महंगे कामों में शामिल है. पहले लाखों की रकम से जमीन खरीदना और फिर उस पर भारी भरकम खर्च करके सपनों का आशियाना तैयार कराना, इस पर तगड़ा पैसा खर्च होता है. ये सबसे बड़ा कारण है कि लोग घर बनवाते समय बिल्डिंग मैटेरियल्स के दाम घटने का इंतजार करते हैं. सीमेंट, ईंट, रेत-बालू के साथ ही सरिया सबसे महंगे सौदों में शामिल होता है. इसकी कीमत में उतार-चढ़ाव हाउस कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को बढ़ा या घटा देता है. अब जबकि इसके दाम में बड़ी गिरावट आई है, तो कंस्ट्रक्शन पर आपका खर्च घट सकता है. इस साल 2024 में अब तक सरिया की कीमतों में) बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. साल की शुरुआत में जहां इसके दाम में गिरावट आई थी, तो वहीं मई 2024 से इसमें फिर तेज उछाल देखने को मिला था, वहीं अब दो महीने में सरिया का प्राइस फिर घट गया है.

डिजिटल क्रांति में भारत सबसे आगे

ऑनलाइन लेनदेन में तेजी, देश में 8011 फिनटेक कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। भारत डिजिटल क्रांति के मोर्चे पर दुनिया में सबसे आगे है। देश ने डिजिटल भुगतान में तेजी लाकर न सिर्फ वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपनाया है बल्कि इसे अपनाने में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। आरबीआई की ताजा करेंसी एंड फाइनेंस 2023-24 रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में फिनटेक को अपनाने की दर सबसे ज्यादा 87 फीसदी है। यह दर 64 फीसदी के वैश्विक औसत से 23 फीसदी अधिक है। 22 जुलाई, 2024 तक देश में फिनटेक कंपनियों की संख्या बढ़कर 8,011 पहुंच गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

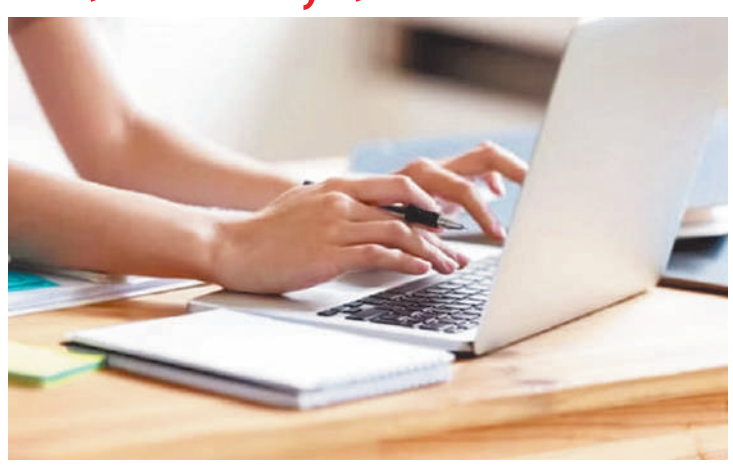

इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। 2030 तक फिनटेक कंपनियों का राजस्व 11.17 गुना बढ़कर 190 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 2022 में यह आंकड़ा 17 अरब डॉलर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फिनटेक कंपनियों को जनवरी, 2018 से दिसंबर, 2023 के बीच करीब 27 अरब डॉलर की फंडिंग मिली है। इसमें घरेलू और विदेशी फंडिंग दोनों शामिल है।

आंकड़ों को समझें...

42.4 करोड़ यूपीआई यूनिक यूजर्स
95.4 करोड़ इंटरनेट सब्सक्रिप्शन
46.7 करोड़ सोशल मीडिया यूजर्स
116.5 करोड़ वायरलेस सब्सक्रिप्शन
75.0 करोड़ स्मार्ट फोन यूजर्स
138 करोड़ आधार जारी हुए हैं

डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में काफी मददगार

आरबीआई ने कहा, 84 फीसदी बैंक व 35 फीसदी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने के लिए फिनटेक से साझेदारी कर रही हैं। 92 फीसदी बैंकों और 60 फीसदी एनबीएफसी का मानना है कि फिनटेक का साथ डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में मददगार साबित हो रहा है।

अर्थव्यवस्था को संगठित बनाने में मिली सहायता

2014 से अब तक 116 अरब से अधिक आधार आधारित और 20 अरब से ज्यादा ई-केवाईसी प्रमाणीकरण हुए हैं। इससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिली है। जीएसटी नेटवर्क ने 1.4 करोड़ करदाताओं को जोड़ा है और 400 करोड़ से अधिक ई-वे बिल जारी किए जा चुके हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 2023-24 में 176 करोड़ लाभार्थियों को 6.9 लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए हैं।

नई कर व्यवस्था के तहत दाखिल किए गए 70 फीसदी आईटीआर, राजस्व सचिव ने कही यह बात

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2023-24 में अर्जित आय के लिए करीब छह करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं।?इनमें से 70 फीसदी नई कर व्यवस्था के तहत भरे गए हैं। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बजट बाद सत्र को संबोधित करते हुए कहा, आशंकाएं जताई जा रही थीं कि लोग सरलीकृत नई कर व्यवस्था को अपनाएंगे या नहीं। अब इसे लेकर कोईआशंका नहीं है।? उन्होंने कहा कि बजट में घोषित व्यापक आयकर समीक्षा के पीछे का विचार कर कानून को सरल बनाना है। हम एक मसौदा तैयार करेंगे और फिर सुझाव मांगेंगे। मल्होत्रा ने कहा, यह पूरा कदम सरलीकरण की दिशा में उठाया गया है।इसका अंतिम उद्देश्य कर अनुपालन बोझ को कम करना है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.61 करोड़ आईटीआर भरे गए थे। नई कर व्यवस्था में कर की दरें कम हैं, लेकिन छूट या कटौतियों के दावे का विकल्प नहीं है।

जल्द ही जारी किये जाएंगे मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं और 12वीं के सप्लीमेंट्री एग्जाम के नतीजे

शिक्षा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित मप्र बोर्ड 10वीं, 12वीं के सप्लीमेंट्री एग्जाम में सम्मिलित हुए स्टूडेंट्स के लिए अपडेट माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए हाई स्कूल सर्टिफिकेट यानी कक्षा 10 और हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट यानी कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित पूरक परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा जल्द ही की जाएगी मण्डल द्वारा औपचारिक तौर पर परिणाम को लेकर किसी भी तिथि का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन खबरों के मुताबिक नतीजे जल्द ही जारी कर दिए जाएंगे ऐसे में जो छात्र-छात्राएं MPBSE द्वारा 8 जून को आयोजित HSC की और 10 से 20 जून तक आयोजित HSC के सप्लीमेंट्री एग्जाम में सम्मिलित हुए थे, वे जल्द ही अपना सम्बन्धित परिणाम देख सकेंगे। इसके लिए अपडेट एमपी बोर्ड द्वारा आधिकारिक वेबसाइट, mpbse.nic.in पर प्रकाशित किया जाएगा। वहीं, औपचारिक ऐलान के बाद कक्षा 10 और कक्षा 12 के लिए अलग-अलग लिंक को आधिकारिक रिजल्ट पोर्टल, mpresults.nic.in पर एक्टिव किया जाएगा।MPBSE द्वारा रिजल्ट पोर्टल पर एक्टिव किए गए 10वीं और 12वीं के सप्लीमेंट्री रिजल्ट लिंक में से सम्बन्धित लिंक पर क्लिक करके और फिर नए पेज पर अपना रोल नंबर तथा अप्लीकेशन भरकर सबमिट करके परीक्षार्थी अपना परिणाम और विषयवार संशोधित प्राप्तांक स्क्रीन पर देख सकेंगे। इसका प्रिंट लेने के बाद सॉफ्ट कॉपी भी स्टूडेंट्स को सेव कर लेनी चाहिए।बता दें कि इससे पहले MPBSE ने वर्ष 2023-24 के लिए HSC और ।स्स्ट्र की वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन 5 फरवरी से 20 मार्च तक किया था और इसके बाद नतीजों की घोषणा 24 अप्रैल को की गई थी। इस बार दसवीं में 58.10 फीसदी और बारहवीं में 64.49 फीसदी छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण घोषित किए गए थे। हालांकि, प्राप्तांकों से असंतुष्ट छात्र-छात्राओं के लिए पूरक परीक्षाओं का आयोजन किया गया था, जिसके नतीजों का इंतजार अब स्टूडेंट्स को है।

मदरसों की मान्यता खत्म करने पर छिड़ा विवाद

शिक्षा। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में जांच के दौरान बंद पाए गए 56 मदरसों की मान्यता समाप्त करने की बड़ी कार्रवाई की गई है जिला शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार ने यह एक्शन लिया है श्योपुर जिले में 80 मान्यता प्राप्त मदरसे संचालित हो रहे हैं. इनमें 54 ऐसे मदरसे हैं जिन्हें राज्य शासन से अनुदान प्राप्त हो रहा है.स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बताया, प्रदेशभर में समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्र में संचालित मदरसों का मैदानी अमले द्वारा भौतिक निरीक्षण कराएं

मप्र: हिन्दी में मेडिकल की पढ़ाई को लेकर डिप्टी सीएम ने निर्देश जारी किये

डिप्टी सीएम ने समीक्षा बैठक में हिंदी में मेडिकल पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं

शिक्षा। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने हिंदी में पढ़ाई करने वाले मेडिकल स्टूडेंट्स से मिले फीडबैक को लेकर भी चर्चा की एमपी में मेडिकल शिक्षा के हिंदी पाठ्यक्रम के तहत प्रकाशित बुक्स की लॉन्चिंग केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की थी। 16 अक्टूबर 2022 को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में मेडिकल की पहले सेमेस्टर की तीन किताबें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री लॉन्च की थीं।अब 20 में से 15 किताबें हिंदी में प्रकाशित

2023 में शुरू की गई एमपी सरकार की इस पहल के तहत वर्तमान में हिंदी में मेडिकल एजुकेशन के तहत 20 में से 15 किताबें हिंदी में उपलब्ध हैं। वहीं वर्तमान में हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई का लाभ केवल 10 फीसदी मेडिकल स्टूडेंट ही ले रहे हैं। हिंदी में प्रकाशित मेडिकल पाठ्यक्रम की किताबें शासकीय मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं।

2023 में शुरू की गई थी पहल- मध्य प्रदेश हिंदी में मेडिकल की शिक्षा देने वाला पहला राज्य है एमपी में साल 2023 में ही मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरू करने की पहल की गई थी एमपी सरकार की इस पहल की केंद्र सरकार ने भी प्रशंसा की थी पीएम नरेंद्र मोदी ने इस पहल की तारीफ करते हुए कहा था कि एमपी हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई कराने वाला देश का पहला राज्य बन गया है भारत में शिक्षा क्षेत्र के लिए एक पथ प्रदर्शक पहल है और एक प्रकार का पुनर्जागरण है सरकार का मानना है कि जब भाषा को नौकरियों या व्यवसायों से जोड़ा जाता है तो वह अपनी समृद्धि और विकास का रास्ता खुद खोज लेती हैं नीट पास करने वाले कई स्टूडेंट ऐसे हैं जो, हिंदी मीडियम से आते हैं 12वीं कक्षा के आधार पर और कोचिंग में जीतोड़ मेहनत करके ये स्टूडेंट्स नीट तो पास कर लेते हैं लेकिन जैसे ही मेडिकल की पढ़ाई शुरू होती है, तो उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है स्टूडेंट की इस मांग को उठाते हुए मंत्री विश्वास सारंग के प्रयासों से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के शासन काल में ही मेडिकल की हिंदी में पढ़ाई की शुरुआत हो सकी।

Government Releases Rs 100 Crore Stipends For Apprentices, Launches NATS 2.0 Portal

Union Education Minister Dharmendra Pradhan on Tuesday launched the National Apprenticeship Training Scheme (NATS) 2.0 Portal and disbursed Rs 100 crore stipends to apprentices through the Direct Benefit Transfer (DBT) mode, aligning with government's efforts on skilling and employability of youth. These apprentices are undergoing training in various sectors such as IT/ITes, manufacturing, automobile, etc.

The NATS 2.0 portal is expected to attract a large number of beneficiaries for registration and application for apprenticeships. Additionally, establishments and industries will use the portal to manage their vacancies and contracts, thus supporting many young graduates and diploma holders in acquiring employability skills, along with a guaranteed monthly stipend.

Two panel discussions on the future of apprenticeships were held during the event, focusing on topics such as Apprenticeship Embedded Degree Programs, credits for all apprenticeships, industry and higher education collaboration, and leveraging technology for DBT and strengthening e-Governance. The discussions were attended by eminent dignitaries, academicians, and students. Cognizant Technology Solutions Pvt Ltd., Infosys Ltd., and Tech Mahindra Pvt. Ltd. were recognised as the top three establishments/industries during the event.

Dharmendra Pradhan, in his address, stated that the NATS Portal 2.0 is a significant initiative to democratise apprenticeships, bridge the skills gap, fulfill youth aspirations, and prepare them for the future. He mentioned that the newly launched portal will expand the reach of apprenticeship opportunities and assist in matching candidates with employers. Mr Pradhan emphasised that in today's technology-driven era, it is essential to build competencies beyond merely attaining degrees. He stressed the need for course curriculums to focus on enhancing employability skills. He also highlighted the government's emphasis on boosting skills and employment in this year's budget, calling for the apprenticeship ecosystem to cover diverse and emerging areas. He urged all stakeholders to develop a comprehensive strategy to harness the country's demographic dividend. The minister also encouraged all educational institutions and industries to join the NATS 2.0 portal, aiming to make apprenticeships a widespread movement.

"NATS 2.0 portal will widen the reach of apprenticeship opportunities and help in matchmaking of candidates and employers. This technology-driven age is not only about attaining degrees but also building competencies. Our course curriculum should focus on increasing employability skills. This year's budget also lays great emphasis on boosting skilling and employment," the minister said in a post on X, formerly Twitter. To ensure timely, efficient, and transparent delivery of stipendiary benefits, the Government of India has implemented the Direct Benefits Transfer (DBT) mechanism in 2024, directly transferring the government's share of the stipend to apprentices' bank accounts. The DBT system is intended to provide the government's stipend share to all scheme beneficiaries.

The NATS 2.0 portal, developed in-house by the Ministry of Education with support from AICTE and BoATs/BoPT, facilitates managing the apprenticeship lifecycle, including student registration, vacancy advertisements, student applications, contract creation, certification, reporting, and stipend disbursal through DBT. It is utilized by students, industries, institutions, and implementing bodies such as BoATs/BoPT. Initially used in pilot mode, the portal is now fully functional and supports the Ministry of Education in executing the end-to-end DBT process.

The NEP 2020 aims to mainstream vocational education and remove barriers between different education streams. It emphasises the integration of general and vocational education to ensure vertical and horizontal mobility for students. In alignment with NEP 2020, the UGC and AICTE have issued draft guidelines for Apprenticeship Embedded Degree Programmes (AEDP).

UPSC Combined Medical Services Examination 2024 Result Declared

The Union Public Service Commission (UPSC) has announced the results of the Combined Medical Services Examination (CMSE) 2024. Candidates who appeared for the examination can access their results by visiting the official website. The CMSE 2024 was held on July 14 to recruit 827 medical officers in various government departments. The notification states, "On the basis of the result of the Combined Medical Services Examination, 2024 held on July 14, the candidates with the undermentioned roll numbers have qualified for the interview/personality Test."

The examination was conducted in two shifts: the first shift started at 9.30am and ended at 11.30am, while the second shift was from 2pm to 4pm. Each paper consisted of 40 questions, each worth 250 marks, and the examination lasted for two hours. Paper I included General Medicine and Paediatrics with a total of 120 questions — 96 from General Medicine and 24 from Paediatrics. Paper II covered Surgery, Gynaecology and Obstetrics, and Preventive and Social Medicine.

Selection Process : The UPSC CMS 2024 exam selection process comprises two phases:

Written Exam: 500 marks, consisting of two papers, each worth 250 marks. Each paper is allocated two hours.

Personality Test: 100 marks for those who qualify based on the merit list from the written examination. "The candidates who have been declared successful have to first get themselves registered on the relevant page of the Commission's website before filling up the online DAF and submit the same online along with uploading of the scanned copies of relevant certificates/documents in support of their eligibility, claim for reservation etc," the official notice specifies.

The interview schedule for candidates who have qualified for the personality test and submitted their DAF will be posted on the Commission's website in due course. The specific interview date will be communicated to the candidates via an e-Summon Letter. Candidates are advised to regularly check the Commission's website for updates.

CBSE CTET July result announced

The Central Board of Secondary Education (CBSE) announced the result of the Central Teacher Eligibility Test or CTET 2024. Candidates who have appeared for the examination can check their scores by visiting the official website, ctet.nic.in. The July edition of the teacher eligible test was held on July 7 and the provisional answer key was released on July 24. The extended window to raise objections to the provisional answer key was closed on July 27.

The CBSE has also published the final answer keys. In the answer key notification, CBSE informed that if a challenge is accepted by the board or a a mistake is noticed by the subject experts in the provisional answer key, a policy decision will be made and the fee will be refunded. The test was conducted at exam centres located in 136 cities across the country. The exam was held in two shifts – paper 2 from 9:30 am to 12 pm and paper 1 from 2 pm to 4:30 pm. Next, the qualified candidates have to download their marks sheets and pass certificates from DigiLocker. The digital marks sheets and certificates will have encrypted QR codes which can be scanned and verified using the DigiLocker mobile app. For further details, check the official website of the CBSE.

NEET 2024: MCC to hold 4 rounds of counselling for over 1 lakh UG seats

The Centre on Tuesday informed the Rajya Sabha that they will take measures to protect the interests of the student community. In the Upper House of the Parliament, a supplementary question was filed related to the National Eligibility-cum-Entrance Test (NEET-UG) and the Minister of State for Health and Family Welfare Anupriya Patel answered the question in the House.

"In so far as the allegations of a paper leak are concerned the Supreme Court's judgement has already come to us … I would only like to assure through you (the Chair) to the member that government is committed to the best interest of students and whatever is needed will be done by the government." said Patel adding that the first round of NEET-UG counselling would commence from August 14. "We have already announced that the first round of counselling will begin from 14 August and as per the Supreme Court's order we will be holding the counselling in four rounds," Patel said in the Rajya Sabha. In the House, she also announced that the fourth round of the NEET UG 2024 counselling will conclude on October 24. In the House, the Minister also shared the number of seats available for both UG and PG courses in private and government colleges. There is an increase of 88% in medical colleges from 387 before 2014 to 731 as of now. Further, there is an increase of 118% in MBBS seats from 51,348 before 2014 to 1,12,112 as of now, read the government data. The National Testing Agency had declared the result of NEET-UG on June 4 and re-revised scorecard on July 26. The dates for counselling were announced by the Medical Counselling Committee (MCC) of Directorate General of Health Services (DGHS) through a public notification on July 29. Registration of eligible candidates will start from first week of August. "The allotment of seats under NEET-UG is carried out through a transparent Online Counselling process. It ensures convenience and accessibility to candidates by allowing them to participate in a hassle-free manner," the government said.

टेक्सटाइल के सभी सबसेक्टर्स में करियर संभावनाएं

आज भी कृषि के बाद लोगों को सबसे ज्यादा रोजगार टेक्सटाइल फील्ड में मिला हुआ है। देशवासियों की बढ़ती क्रय शक्ति तथा ब्रांडेड प्रोडक्ट के प्रति बढ़ता आकर्षण इस बात का संकेत है कि टेक्सटाइल एंड गारमेंट इंडस्ट्री में आगे भी तेजी बनी रहेगी। बीते एक दशक में रिटेल सेक्टर के विकास ने भी साबित कर दिखाया है कि उपभोक्ताओं की लाइफस्टाइल और शॉपिंग ट्रैंड्स बदल गए हैं। लोग फैशन और क्वॉलिटी प्रोडक्ट को ज्यादा तरजीह देने लगे हैं। ब्रांडेड प्रोडक्ट्स और एक्सपोर्ट की डिमांड बढ़ने से इस सेक्टर को विकास करने का मौका मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक भारतीय टेक्सटाइल बाजार करीब दोगुना हो जाएगा। यही कारण है कि युवाओं के लिए टेक्सटाइल के सभी सबसेक्टर्स - टेक्सटाइल्स एंड अपेरल, हैंडीक्राफ्ट, सोफिस्टिकेटेड मिल, हैंडलूम, जूट और सेरिकल्चर में काम की संभावनाएं तेजी से बढ़ेंगी। इसके अलावा, सरकार द्वारा इंडिया हैंडलूम प्रमोशन जैसी योजना शुरू किए जाने और इस सेक्टर में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से भी इस क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर रोजगार में लगातार इजाफा होता रहेगा।

काम के अवसर

देश में गारमेंट, फैशन, ज्वेलरी, लगेज, एक्सेसरी, होम फर्निशिंग व इंटीरियर टेक्सटाइल का बाजार दिनो-दिन बढ़ रहा है, जहां टेक्सटाइल डिजाइनर्स के लिए ढेर सारे नए अवसर मौजूद हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स की विदेश के अलावा गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों, फैशन डिजाइनिंग एजेंसियों, एक्सपोर्ट हाउस और टेक्सटाइल रिटेल जैसी फील्ड में काफी मांग है। सरकार की मदद से चल रही खादी, जूट, सिल्क और क्राफ्ट जैसी संस्थाओं में भी डिजाइनिंग प्रोफेशनल्स के लिए अच्छे अवसर हैं। ऑटोमोटव टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर का एक नया उभरता क्षेत्र है, जहां मोटर निर्माण कंपनियां अपनी कारों के इंटीरियर को अपीलिंग लुक देने के लिए ऐसे डिजाइनर्स की खूब सेवाएं ले रही हैं। इसके अलावा, अगर आप टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं, तो एग्रीकल्चर फील्ड में रेशम उत्पादन और कपास उत्पादन को बढ़ाने के लिए रिसर्चर की भूमिका अदा कर सकते हैं। युवा चाहें, तो डिजाइनिंग का काम पार्ट-टाइम कर सकते हैं। आप अपना खुद का बुटीक भी खोल सकते हैं। ई-कॉमर्स कंपनियों में भी क्रिएटिव लोगों को हायर किया जाता है। आप चाहें, तो ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए वेंडर भी बन सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

टेक्सटाइल डिजाइनिंग में डिग्री, डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा के रूप में कई कोर्स आजकल संचालित हो रहे हैं। ये कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद आप पीजी डिप्लोमा भी कर सकते हैं। अगर चाहें, तो टेक्सटाइल इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक कोर्स भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली

दूरसंचार उद्योग में कॅरियर

भारतीय मोबाइल अर्थव्यवस्था विशिष्ट रूप से तीव्र गति से विकासशील है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसके महत्वपूर्ण योगदान करने की संभावना है। बोस्टन कंन्सल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, भारत विश्व में चौथी सबसे बड़ी ऐप अर्थव्यवस्था है। आपने देखा होगा कि ऐप किस तरह ऐप संचार, खरीददारी के हमारे तरीके में बदलाव ला रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 तक भारत, विश्व के 4.7 बिलियन इंटरनेट प्रयोक्ताओं में से 700 मिलियन प्रयोक्ताओं वाले अग्रणी देश के रूप में उभरकर सामने आएगा।

दूरसंचार क्षेत्र के विकास का श्रेय हमारी सरकार की उदार एवं प्रोत्साहनशील नीतियों और उद्योग समूहों को जाता है, जिन्होंने इस क्षेत्र में निवेश को वरीयता दी। दूरसंचार उद्योग में तकनीकी एवं प्रबंधकीय दोनों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं।

नेटवर्क प्रबंधन - बेस स्टेशन सेवा, कोर नेटवर्क, क्षेत्रगत रखरखाव, ट्रांसमिशन, ऑप्टिकल फाइबर, ब्रॉडबैंड संस्थापन, नेटवर्क सुरक्षा आदि।

अनुप्रयोग विकास - मोबाइल एप्लीकेशन्स/गेम्स/ऐप डेवलपर, हैंडसेट सॉफ्टवेयर डेवलपर, ऐम्बैडेड हार्डवेयर डेवलपर, नेटवर्क सॉफ्टवेयर डेवलपर आदि।

बैकग्राउण्ड/पैसिव अवसंरचना - प्रयोक्ताओं का ऐसी अवसंरचनाओं से सीधा संबंध नहीं होता किंतु दूरसंचार सेवाएं उपलब्ध कराने में यह महत्वपूर्ण होती हैं। इनमें ट्रांसमिशन टावर, रेडियो फ्रिक्वेंसी आदि शामिल होती हैं।

तकनीकी सेवा समर्थन- इन कार्यों में स्थल पर तथा स्थल से बाहर समर्थन देना और दोषनिवारण शामिल हैं।

उक्त सेवाओं का ध्यान रखने के लिए दूरसंचार कंपनियों को ऐसे कुशल तकनीशियनों की आवश्यकता होती है जिनकी तकनीकी विशेषज्ञता किसी नियमित डिग्री या योग्यता से अधिक महत्व रखती है। उच्च दायित्वों के लिए कंपनियों को ऐसे स्नातक इंजीनियरों की आवश्यकता होती है जो यांत्रिक, वैद्युत या दूरसंचार इंजीनियरी में प्रशिक्षित होते हैं। यांत्रिक तथा वैद्युत इंजीनियरी पाठ्यक्रम बहुत पहले से उपलब्ध हैं। दूरसंचार इंजीनियरी पाठ्यक्रम, आवश्यकता उत्पन्न होने और दूरसंचार की प्रौद्योगिकी का विकास होने पर बाद में प्रारंभ किए गए। अधिकांश इंजीनियरी संस्थानों में दूरसंचार इंजीनियरी इलेक्ट्रॉनिकी के एक युग्मक के साथ पढ़ाई जाती है, तथापि, ऐसे संस्थान भी हैं जो दूरसंचार इंजीनियरी को विशेष डिग्री के रूप में पढ़ाते हैं। इन दोनों पाठ्यक्रमों की करवेज के बीच बहुत भिन्नता नहीं है और उम्मीदवार पाठ्यक्रम की गुणवत्ता के आश्वासन तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और/या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) जैसे विनियामक निकायों द्वारा मान्यता के आधार पर इनमें से कोई भी पाठ्यक्रम चुन सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी एवं दूरसंचार इंजीनियरी में दूरसंचार उपस्करों और नेटवर्क की डिजाइनिंग से संबंधित विभिन्न सिद्धांतों और व्यावहारिक पहलुओं का अध्ययन निहित होता है। इलेक्ट्रॉनिक एवं दूरसंचार इंजीनियर एकीकृत सरकिट घटकों, आदि के प्रोटोटाइप का विकास करते हैं। पाठ्यक्रम में सेमिकंडक्टर उपस्कर, नेटवर्क सिद्धांत, सिग्नल्स तथा सिस्टम्स डिजिटल लॉजिक, एनालॉग सर्किट्स की डिजाइनिंग, एंटेना और प्रोपेगेशन, राडार एवं रेडियो नेवीगेशन साधन, संचार प्रणालियां और तकनीकें, इलेक्ट्रोमैग्नेटिज्म, ट्रांसमिशन तकनीकें आदि विषय शामिल किए जाते हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 4 वर्ष है और उम्मीदवारों को बी.ई.,बी.टेक या बीएससी (इंजीनियरी) डिग्री प्रदान की जा सकती है। इंजीनियरी में कोई स्नातक पाठ्यक्रम 10+2 के बाद किया जा सकता है। विभिन्न पॉलिटेकनीकों द्वारा चलाए जा रहे तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना दूरसंचार इंजीनियरी अध्ययन का एक अन्य विकल्प है, जिसके लिए उम्मीदवार एसएससी उत्तीर्ण होने चाहिएं। ये पॉलिटेक्नीक सामान्यत- राज्य सरकारों द्वारा स्थापित किए जाते हैं। इनमें पाठ्यक्रम शुल्क कम होता है। डिप्लोमा करने के बाद आपको दो विकल्प होते हैं। या तो आप कार्य कर सकते हैं या स्नातक इंजीनियरी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं जिसके लिए कुछ इंजीनियरी कॉलेजों में कोटा प्रदान किया जाता है।

दूरसंचार में इंजीनियरी योग्यता पूरी करने के बाद दूरसंचार प्रबंधन में विशेषज्ञता वाला एमबीए पाठ्यक्रम करना दूरसंचार उद्योग में संकेंद्रित कॅरिअर बनाने का एक माध्यम है। बड़ी दूरसंचार कंपनियां एंट्री लेवल के इंजीनियरी एवं प्रबंधकीय पदों की अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए अधिकांशत- कैम्पस प्लेसमेंट पर निर्भर होते हैं।

प्रमुख संस्थान

- एमआईटी दूरसंचार प्रबंधन स्कूल, पुणे।
- एमिटी दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, पुणे।
- अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे।
- सिम्बियोसिस दूरसंचार प्रबंधन संस्थान, पुणे।
- क्षेत्रीय प्रबंधन कॉलेज, भुवनेश्वर, उड़ीसा।
- बालाजी दूरसंचार एवं प्रबंधन संस्थान, पुणे।

समाज-कार्य में करियर के आयाम

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएँ मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो बल्कि संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएँ, जैसे यूनीसेफ, यूएनडीपी, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड, रेडक्रॉस, लायंस क्लब,क्राई तो हर साल भारतीय एक्सपर्ट की तलाश में बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करते हैं। कई संस्थाओं में निदेशक, उपनिदेशक, प्रोग्राम ऑफिसर, टीम लीडर जैसे पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र हैं, जिसमें छात्रों को को-ऑर्डिनेटर, सर्वे ऑफिसर एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिसर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिलता है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का मौका मिलता है।

समाज कार्य का अर्थ लोगों को उनकी प्रतिदिन की सामाजिक समस्याओं का हल खोजने में मदद करना है। वर्तमान में समाज कार्य की अवधारणा में व्यापक परिवर्तन आया है। यह कार्य केवल दया या परोपकार की भावना से ही नहीं जुड़ा है बल्कि रोजगार के रूप में भी युवाओं को बहुत आकर्षित कर रहा है। जिन छात्रों की रुचि कॅरियर के साथ-साथ समाजसेवा भी है। अक्सर लोग समाजशास्त्र एवं समाज-कार्य को एक ही समझ लेते हैं। हालाँकि समाज-कार्य का अधिकांश ज्ञान समाजशास्त्रीय सिद्धांतों से लिया गया है, लेकिन समाजशास्त्र जहाँ मानव-समाज और मानव-संबंधों के सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन करता है, वहीं समाज-कार्य इन संबंधों में आने वाले अंतरों एवं सामाजिक परिवर्तन के कारणों की खोज क्षेत्रीय स्तर पर करने के साथ-साथ व्यक्ति के मनोसामाजिक पक्ष का भी अध्ययन करता है। समाज-कार्य करने वाले का आचरण विद्वान की तरह न होकर समस्याओं में पेशेवर के ज़रिये व्यक्तियों, परिवारों, छोटे समूहों या समुदायों के साथ संबंध स्थापित करने की तरफ़ उन्मुख होता है।

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएँ मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो बल्कि संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएँ, जैसे यूनीसेफ, यूएनडीपी, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड, रेडक्रॉस, लायंस क्लब,क्राई तो हर साल भारतीय एक्सपर्ट की तलाश में बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करते हैं। कई संस्थाओं में निदेशक, उपनिदेशक, प्रोग्राम ऑफिसर, टीम लीडर जैसे पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र हैं, जिसमें छात्रों को को-ऑर्डिनेटर, सर्वे ऑफिसर एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिसर जैसे पदों पर काम करने का मौका मिलता है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने का मौका मिलता है।

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए देश में कई संस्थानों में पूर्णकालिक एवं अंशकालिक कोर्स की व्यवस्था है। इसमें मास्टर डिग्री, पीजी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स, तीन तरह के पाठ्यक्रम हैं। मास्टर डिग्री के लिए छात्र की योग्यता किसी संकाय में स्नातक होना अनिवार्य है, जबकि एकवर्षीय पीजी डिप्लोमा के लिए भी योग्यता इसी के समकक्ष होनी चाहिए। सर्टिफिकेट कोर्स के लिए छात्र का बारहवीं पास होने के साथ इस क्षेत्र में अनुभव होना आवश्यक है। कई संस्थान समाज कार्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु भर्ती परीक्षा का भी आयोजन करते हैं।

सामाजिक कार्य क्षेत्र में आप निजी और सरकारी कंपनियों में कार्मिक अधिकारी समुदाय संगठनकर्ता या समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि पदों पर भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके जरिए आप सामाजिक कार्य के प्रति समर्पित भी हो सकते हैं। व्यावसायिक सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए आपको मानव संसाधन प्रबंधन, अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन, चिकित्सक और मनोचिकित्सक, सामाजिक कार्य, परिवार और बाल कल्याण, ग्रामीण और शहरी सामुदायिक विकास और स्कूल सामाजिक कार्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

मूर्तिकला में गढ़ें सुनहरा भविष्य

अपने घरों में सजावट के लिए ही सही, लोगों में मूर्तियों के प्रति मोह बढ़ रहा है, जिसने विभिन्न तरह की मूर्तियों की मांग में काफी इजाफा किया है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, पिछले 20 वर्षों में मूर्तियां बनाने वालों की संख्या लगभग 15 गुना बढ़ी है। इनमें पारंपरिक रूप से मूर्ति बनाने का काम करने वाले करीब पांच प्रतिशत हैं, वहीं इस क्षेत्र में डिग्री लेने वालों की संख्या लाखों में है। ऐसे युवाओं के लिए मूर्तिकला स्वरोजगार का अच्छा जरिया बन सकती है।

बदलते परिवेश में घर, दफ्तर, होटल, पार्क सभी जगह यह कला सजावट का एक बेहतरीन माध्यम होकर उभर रही है। यह कला त्रिआयामी होती है। इसलिए इसके माध्यम से किसी भी समस्या को बेहतर तरीके से प्रकट किया जा सकता है। कलाकार अपनी कला और मेहनत के बल पर अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इस कला का बीता समय जितना पुराना और खूबसूरत रहा है, उतना ही बढ़िया भविष्य भी इसमें है। देश में तो इस कला की मांग बढ़ी ही है इसके अलावा विदेशों में भी इसकी अच्छी-खासी मांग है। एक-एक मूर्ति एक लाख रुपए से लेकर करोड़ों रुपए तक में बिकती है।

कोर्स

मूर्तिकला के क्षेत्र में स्नातक स्तर से कोर्सेज कराए जाते हैं। इनमें यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन द्वारा स्नातक स्तर पर चार वर्षीय कोर्स बीवीए का होता है और स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय कोर्स एमवीए का होता है। ऐसे ही आल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन यानी एआईसीटीई द्वारा स्नातक स्तर पर चार वर्ष में बीएफए और स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्ष में एमएफए की डिग्री हासिल की जा सकती है। एमवीए और एमएफए के बाद अगर आप चाहें तो पीएचडी भी कर सकते हैं।

योग्यता

स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए तो आपका कम से कम बारहवीं पास होना जरूरी है, जबकि स्नातकोत्तर करने के लिए बीवीए या बीएफए होना जरूरी होता है।

प्रवेश

स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है, जो कहीं-कहीं केवल लिखित होती है और कहीं-कहीं लिखित और मौखिक, दोनों रूपों में ली जाती है। इन परीक्षाओं द्वारा मूर्तिकला में आपकी रुचि, धातुओं, पत्थरों और मिट्टी की जानकारी आदि के अलावा आपकी कलात्मक क्षमता और उसके विकास की संभावनाओं का पता लगाया जाता है।

फीस

कॉलेजों में करीब पांच हजार से लेकर 20 हजार तक में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के लिए आठ हजार से लेकर 25-26 हजार तक वार्षिक फीस ली जाती है। कुछ प्राइवेट संस्थान भी प्रशिक्षण देते हैं, जिनमें 10 से लेकर एक लाख रुपए तक फीस वसूली जाती है।

संभावनाएं

एक नया कलाकार जिसे कला की ठीक-ठाक समझ है वह शुरूआत में कम से कम 15 से 20 हजार रुपए महीने तक आसानी से कमा सकता है। अधिकतम की तो कोई सीमा ही नहीं है। दरअसल पर्यटन के लिहाज से भारत लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। विदेशी पर्यटकों को लुभाने के लिए होटलों व लॉज में भारतीय कला का प्रयोग बढ़-चढ़कर हो रहा है। ऐसे में बिल्डर्स मूर्तिकारों की मदद लेते हैं। फव्वारे, दीवारों और सीलिंग पर नक्काशी करवाने के लिए ठेके पर इन्हें रखा जाता है। इनके हुनर के मुताबिक इनकी कमाई लाखों में होती है।कई बिल्डर तो स्थाई तौर पर अपने यहां इनकी नियुक्ति भी करते हैं। बुद्ध, गणेश, फीमेल फीगर व सामाजिक समस्याओं को दशार्ते मॉडल लोगों को बेहद पसंद हैं। ऐसे कलाकार जो पारंपरिक कला को नया लिबास या यूं कहें कि ग्लैमर लुक देने में माहिर हैं, उनके लिए यह क्षेत्र कॅरियर का एक बेहतर विकल्प है। भारतीय मूर्तिकारों में देसी और विदेशी ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी से भी इनके काम को बढ़ावा मिला है। बहुत से निर्यातक मूर्तिकारों की कलाकृतियों को विदेश भेजकर कमाई करते हैं, जिसमें से एक बड़ा हिस्सा मूर्तिकारों को भी दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सात माह की गर्भवती तलवारबाज ने लिया ओलंपिक में हिस्सा

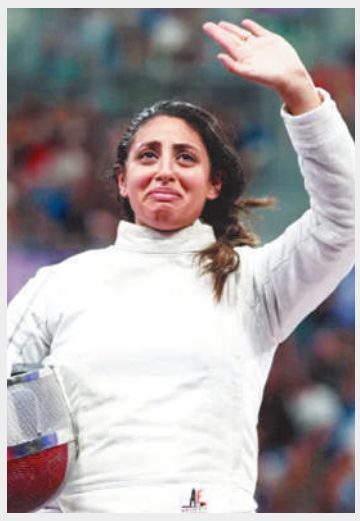

पेरिस, एजेंसी। नादा ने कहा मेरे लिए और मेरे बच्चे के लिए शारीरिक और जज्बाती चुनौती थी। हफीज तीन बार की ओलंपियन हैं और 2019 के अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। प्री क्वार्टर में पहुंचना उनका ओलंपिक में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन है। मिस्र की तलवारबाज नादा हफीज ने खुलासा किया है कि उन्होंने सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं एक नन्हे ओलंपियन को लेकर खेल रही हूं। छब्बीस साल की काहिरा की इस खिलाड़ी ने अमेरिका की एलिजाबेथ को महिलाओं की साबेर स्पर्धा में हराकर प्री क्वार्टर में प्रवेश किया लेकिन दक्षिण कोरिया की जियोन हेयंग से हार गई। नादा ने कहा मेरे लिए और मेरे बच्चे के लिए शारीरिक और जज्बाती चुनौती थी। हफीज तीन बार की ओलंपियन हैं और 2019 के अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। प्री क्वार्टर में पहुंचना उनका ओलंपिक में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन है।

सिंधु ने क्रिस्टिन कुबा को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया

पेरिस, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने 2024 पेरिस खेलों में बुधवार को महिला एकल ग्रुप एम मैच में एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुउबा को 21-5, 21-10 से हराया। सिंधु ने केवल 34 मिनट में जीत हासिल कर ली और दो जीत के साथ ग्रुप में शीर्ष पर रहकर अंतिम 16 चरण में आगे बढ़ गईं। अपने शुरुआती मैच में, शीर्ष भारतीय ने मालदीव के फातिमाथ नबाहा अब्दुल रज्जाक को हराया था। सिंधु, जो अपना लगातार तीसरा ओलंपिक खेल रही हैं, ग्रीष्मकालीन खेलों से कभी खाली हाथ नहीं लौटी हैं, उन्होंने टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीतने से पहले रियो 2016 में अपने पहले खेलों में रजत पदक जीता था।

मेरी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई, फोकस अब अगले मैच पर: मनु भाकर

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली मनु भाकर ने बातचीत में बताया कि अभी उनकी यात्रा समाप्त नहीं हुई है और वह अपने अगले शूटिंग मैच पर फोकस कर रही हैं। मनु भाकर ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे पास दो मेडल है, लेकिन मेरी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है। अभी मेरा एक मैच और है, जिसके लिए मुझे फोकस करना है। मैं हर बार अपने मैच से पहले नर्वस होती हूं, लेकिन यह सोचती हूं कि ईश्वर ने अब तक साथ दिया है और वह आगे भी साथ देगा। मनु भाकर ने अपने गेम विनिंग शॉट से पहले अपनी विचार प्रक्रिया का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, आपको केवल अपने बेस्ट देना है, बेस्ट तकनीक इस्तेमाल करनी है, आपके हाथ में यही है। मेरा प्लान हमेशा यही होता है कि अपना बेस्ट दूं और कभी भी हार ना मानूं। मेरा गेम प्लान आगे भी यही होगा कि अंतिम शॉट तक ऐसा करती रहूं। हालांकि, नतीजे आपके नियंत्रण में नहीं होते। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार विजेता निशानेबाज रोंजन सोढ़ी ने भी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि उनको निशानेबाजी में भारत से और पदक की उम्मीद हैं। उन्होंने कहा कि, भारत को ओलंपिक में एक और मेडल शूटिंग में मिला है और मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। वह एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। यह मैच आसान नहीं था क्योंकि कोरिया की टीम अच्छी थी, लेकिन मनु और सरबजोत को उनके शानदार खेल का क्रेडिट देना चाहिए। उन्होंने कहा कि, पेरिस ओलंपिक में शूटिंग में भारत के पास और भी मेडल आएंगे। आशा है कि हम शॉटगन में भी बेहतर करेंगे। मैं खिलाड़ियों को यह संदेश देना चाहूंगा कि आपने बहुत मेहनत की है और आपने ट्रेनिंग में जो किया है, केवल उसी पर फोकस बनाए रखें। मनु भाकर ने अपने दोनों पदक 10 मीटर एयर पिस्टल (महिला व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम इवेंट) में जीते हैं। उनको अब 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भाग लेना है। मनु का प्रदर्शन देखते हुए उनसे एक और मेडल की उम्मीद बढ़ चुकी है।

लक्ष्य सेन ने विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को हराकर अंतिम-16 में क्वालीफाई किया

पेरिस, एजेंसी। लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक में अपने अंतिम ग्रुप एल पुरुष एकल मैच में तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोनाथन क्रिस्टी को 21-18, 21-12 से हरा दिया और अंतिम 16 में पहुंच गए। खराब शुरुआत के बावजूद, जिसमें भारतीय खिलाड़ी पहले गेम में 2-8 से पिछड़ रहा था, सेन ने गेम को पलटने के लिए गहरी कोशिश की और वापसी करते हुए स्कोर 10-ऑल से बराबर कर दिया। उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में दोनों शटलर 18-18 से बराबरी पर थे, लेकिन सेन ने आगे बढ़कर पहले गेम में 21-18 से जीत हासिल कर ली। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी आक्रामक खेल शैली जारी रखी और दुनिया के चौथे नंबर के शटलर द्वारा खेल में वापस आने के किसी भी प्रयास का शानदार ढंग से बचाव किया और दूसरे गेम में 21-12 से जीत के साथ मैच को अपने नाम कर लिया।

इस जीत ने प्री-क्वार्टर फाइनल राउंड में लक्ष्य का स्थान पक्का कर दिया, जहां उनका सामना हमवतन एच.एस प्रणय से हो सकता है, अगर प्रणय बाद में दिन में वियतनामी शटलर ले डक फाट के खिलाफ मैच जीत जाते हैं। महिला एकल वर्ग में भारत की पदक उम्मीद, पीवी सिंधु सेन के मैच से पहले एक्शन में थीं, जहां उन्होंने एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को आसानी से 21-5, 21-10 से हराया और ग्रुप एम में शीर्ष पर रहकर 16वें राउंड में जगह बनाई।

फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक, मैदान में घुसा दर्शक

सेंट एटीने (फ्रांस), एजेंसी। पेरिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक हुई जब अमेरिका और गिनी के बीच खेले गए मैच के दौरान एक दर्शक मैदान में घुस गया। यहां मंगलवार को स्टेड जियोफरॉय गुइचार्ड में अमेरिका की गिनी पर 3-0 की जीत के आखिर में एक व्यक्ति ने मैदान पर दौड़ लगाई। इसी स्टेडियम में अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच खेले गए मैच के दौरान दर्शकों ने उपद्रव मचाया था।

पेरिस ओलंपिक

प्रीति पवार ओलंपिक से बाहर

पेरिस, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों का पेरिस ओलंपिक खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा तथा अनुभवी अमित पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के बाद प्रीति पवार भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार कर बाहर हो गई। प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया की पैन अमेरिकन खेलों की चैंपियन और विश्व रजत पदक विजेता येनी मार्सेला एरियास को कड़ी चुनौती दी लेकिन इसके बावजूद उन्हें 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले पंघाल पुरुष 51 किग्रा वर्ग में और पदार्पण करने वाली महिला मुक्केबाज जैस्मीन 57 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गये थे। पंघाल का पेरिस ओलंपिक अभियान राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन और तीसरे वरीय जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हारकर समाप्त हुआ जबकि जैस्मीन फिलीपींस की तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन नेस्टी पेटेसियो से 0-5 से हारकर बाहर हो गई।

रोते हुए बोली ये मेरा ये आखिरी ओलंपिक

भारत की दिग्गज बैडमिंटन स्टार अश्विनी पोनप्पा ने किया संन्यास का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा ने मंगलवार को तनीषा क्रास्टो के साथ पेरिस खेलों की महिला युगल स्पर्धा में लगातार तीसरी हार के बाद आंसू बहाते हुए घोषणा की कि उन्होंने अपना आखिरी ओलंपिक खेल लिया है.

अश्विनी और तनीषा को मंगलवार को सेतियाना मोपासा और एंजेला यू की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 15-21, 10-21 से हार झेलनी पड़ी. भारतीय जोड़ी ने अपने तीनों ग्रुप मैच गंवाकर अपना अभियान खत्म किया.अपने तीसरे ओलंपिक में खेल रहीं अश्विनी से जब 2028 ओलंपिक में खेलने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा की यह मेरा आखिरी होगा लेकिन तनीषा को अभी लंबा रास्ता तय करना है. अश्विनी पोनप्पा ने आंसू रोकने की कोशिश करते हुए कहा की इसका भावनात्मक और मानसिक रूप से असर पड़ता है, मैं इसे फिर से नहीं झेल सकती. यह आसान नहीं है, अगर आप थोड़े युवा हैं तो आप यह सब झेल सकते हैं. इतने लंबे समय तक खेलने के बाद मैं इसे और नहीं झेल सकती.वर्ष 2001 में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीतने वाली अश्विनी ने ज्वाला गुट्टा के साथ एक शानदार और इतिहास रचने वाली महिला जोड़ी बनाई थी। ये दोनों 2017 तक साथ खेलीं. इस जोड़ी ने कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते थे जिसमें 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और उबेर कप (2014 और 2016) और एशियाई चैंपियनशिप (2014) में कांस्य पदक शामिल हैं.इस जोड़ी ने 2011 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ऐसा करने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया. यह उनके करियर का सबसे बड़ा पुरस्कार था. ज्वाला और अश्विनी की जोड़ी लगातार विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में रही और एक समय 10वें स्थान पर पहुंच गई. अश्विनी ने कहा की हम आज जीतना चाहते थे. हम चाहते थे कि परिणाम अलग और बेहतर हो, मेरे और तनीषा के लिए सबसे बड़ी बात यह रही कि ओलंपिक में पहुंचने के लिए हमें काफी लंबा सफर तय करना पड़ा. यह आसान नहीं था. तनीषा भी अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाईं और वो भी रोने लगीं. उन्होंने कहा की वह (अश्विनी) यहां मेरा सबसे बड़ा सहारा रही हैं. हम बेहतर परिणाम चाहते थे और हमने अपना सिर ऊंचा रखा. उन्होंने हर बार मुझे प्रेरित किया.

अदिति भाटिया को कौन सी चीज कर रही पागल, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

एक्ट्रेस अदिति भाटिया आज भी लोकप्रिय शो ये है मोहब्बतें में मेन लीड रमन कुमार भल्ला की बेटी रूही भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने अपनी मौजूदा स्थिति को बयां किया। वीडियो में, एक्ट्रेस अपने घर को शिफ्ट करने की तैयारी कर रही हैं। मूवर्स फर्नीचर और सामान पैक कर रहे हैं। उन्होंने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि इस समय पागल हो रही हूं। अदिति ने हाल ही में नया घर खरीदा, जिसकी कीमत करोड़ों में है। उन्होंने इंटरनेट पर गृह पूजा की फोटो शेयर की।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस पारंपरिक तरीके से पूजा पाठ करती हुई नजर आई। इन फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा कि आज जो भी मेरे पास है उसकी वजह सिर्फ मेरी मां है। मैं बहुत फालतू के खर्चे करती हूं, लेकिन मेरी मां सब कुछ मैनेज कर लेती हैं, इसीलिए मैं इन्हें थैंक्यू बोलती हूं। अदिति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की। उन्होंने सबसे पहले छोटे पर्दे पर सीरियल होम स्वीट होम में करिश्मा का रोल अदा किया। वह टीवी सीरियल तुझ संग प्रीत लगाई साजना में तुलसी के किरदार में नजर आईं।

उन्होंने शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म विवाह में अमृता राव के बचपन का किरदार निभाया था। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में संजय दत्त की बेटी का किरदार निभाया। द ट्रेन में इमरान हाशमी की ऑनस्क्रीन बेटी बनी। इसके अलावा चांस पे डांस और सरगोशियां जैसी फिल्मों में भी बतौर बाल कलाकार काम किया।

काम्या पंजाबी ने मुंबई की बदहाल सड़कों पर निराशा जताई

एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने मंगलवार को मुंबई के वसई क्रीक इलाके में सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर निराशा जताई। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। काम्या पंजाबी ने इंस्टाग्राम के अपने स्टोरी सेक्शन में एक वीडियो शेयर किया।

वीडियो में भारी बारिश और इलाके में गड्ढों के कारण रोड पर लंबा जाम दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी गंभीर स्थिति के बावजूद कोई भी रेडियो जॉकी (आरजे) अपने प्रोग्राम में इस पर बात नहीं करता। काम्या पंजाबी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, वेलकम टू मुंबई। अजीब बात है कि कोई भी रेडियो जॉकी इस मार्ग के बारे में अपने प्रोग्राम में बात नहीं करता। वीडियो को वसई क्रीक लोकेशन के साथ टैग किया गया था।

काम्या पंजाबी को रेथ, अस्तित्व- एक प्रेम कहानी और बनू मैं तेरी दुल्हन जैसे धारावाहिकों में निगेटिव रोल करने के लिए पहचान मिली। उन्होंने पिया का घर, मर्यादा- लेकिन कब तक और क्यों होता है प्यार जैसे शो में पॉजिटिव किरदार भी निभाए हैं।

निर्देशक के सुनाए गए आइडिया से प्रभावित हुए जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर के प्रशंसकों द्वारा उनकी नई फिल्म देवरा के रिलीज होने का इंतजार किया जा रहा है। फिल्म की टीम मिलकर इस पर तेजी से काम कर रही है। देवरा के सिनेमाघरों में पहुंचने से पहले ही उनकी नई फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है, जिसका फिल्म हाय नन्ना से भी नाता है। जूनियर एनटीआर और निर्देशक शौर्यव के एक साथ मिलकर काम करने की चर्चाओं ने अब जोर पकड़ लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शौर्यव एक ऐसी फिल्म बनाने पर काम कर रहे हैं, जो दो भागों में बनाई जाएगी। कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि शौर्यव, जूनियर एनटीआर को फिल्म का आइडिया भी सुना चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में बेकाबू डंपर ने कांवड़ियों को रौंदा, 1 की मौत, 2 लोग घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बुधवार तड़के हुई तीन कांवड़िए सड़क दुर्घटना का शिकार बन गए। इस हादसे में एक कांवड़िए की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायल कांवड़ियों को रामपुरा का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, डाक कांवड़ लेकर जाते वक्त मिट्टी लदे डंपर ने कथित तौर पर बुधवार तड़के 3 बजे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर शिखोपुर कट के पास कांवड़ियों की बाइक को टक्कर मार दी। इस घटना में तीन कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि दो कावंड़ियों इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना से गुस्साए कांवड़ियों ने रात में हाईवे को जाम कर जमकर हंगामा किया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस बल के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और तीन घंटे की मशक्कत के बाद हंगामा कर रहे कांवड़ियों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

दिल्ली पुलिस ने राव आईएएस स्टडी सर्किल के मालिक के ससुर से की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। रदिल्ली पुलिस ने मंगलवार को राव आईएएस स्टडी सर्किल के मालिक के ससुर से पूछताछ की। यही नहीं दिल्ली पुलिस ने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में तीन स्टूडेंट की मौत के मामले की जांच में चार नगर निगम अधिकारियों को भी शामिल होने के लिए कहा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने वीपी गुप्ता से कोचिंग सेंटर के मालिकाना हक के बारे में पूछताछ की। जांच अधिकारी अब राव आईएएस स्टडी सर्किल के मालिक अभिषेक गुप्ता की पत्नी को भी पूछताछ के लिए बुला सकते हैं। पुलिस ने बताया कि वीपी गुप्ता ने अपनी बेटी और दामाद के नाम पर संपत्ति ट्रांसफर कर दी है। अधिकारी ने बताया कि हम कोचिंग सेंटर से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। बेसमेंट के मालिकाना हक से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में अभिषेक गुप्ता और कोचिंग सेंटर के कोऑर्डिनेटर देशपाल सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। कोचिंग सेंटर वाली इमारत के बेसमेंट के चार सह-मालिकों समेत 5 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है।जलमग्न सड़क से होकर गुजरने वाली एसयूवी का चालक गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में से एक है। उसकी एसयूवी को भी जब्त कर लिया गया है। बताया जाता है कि उसके एसयूवी चलाने से पानी की धारा से तीन मंजिली इमारत के गेट टूट गए और बेसमेंट में पानी भर गया।

कोटा में छात्रों की आत्महत्याओं के बाद नींद से जागी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने सोमवार को कहा कि सरकार ने छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। लगभग 1.2 प्रतिशत आत्महत्या की घटनाएं परीक्षा में विफलता से संबंधित होती हैं। राजस्थान स्थित कोटा के कोचिंग सेंटरों के छात्रों की आत्महत्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। मजूमदार ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए मनोदर्पण पहल शुरू की है। राजस्थान सरकार ने भी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने 2022-2023 में एक दिशा निर्देश जारी किया है, जिसे जिला प्रशासन द्वारा लागू किया गया है। उन्होंने 90 मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं को नियुक्त किया है। छात्रों की मदद के लिए एक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर भी है। उन्होंने कहा कि 10 हजार छात्रावास द्वारपालों को यह पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

दिल्ली में किसी भी कोचिंग सेंटर के पास... दृष्टि आईएएस के एमडी विकास दिव्यकीर्ति ने बताई एक बड़ी सच्चाई

दृष्टि आईएएस के एमडी विकास दिव्यकीर्ति ने बताई एक बड़ी सच्चाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में 3 यूपीएससी छात्रों की मौत के बाद नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग सेंटरों पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का ऐक्शन तेज हो गया है। यह दर्दनाक घटना शनिवार शाम को भारी बारिश के बाद ओल्ड राजेंद्र नगर के राउ के स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से हुई थी। इस हादसे के बाद एमसीडी हरकत में आ गई है। एमसीडी की कार्रवाई के बीच दृष्टि आईएएस के संस्थापक और एमडी डॉ. विकास दिव्यकीर्ति ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में 1000 से अधिक कोचिंग सेंटर हैं, लेकिन उनमें से किसी के पास भी फायर डिपार्टमेंट की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं है।

इसकी जटिलताओं को समझाते हुए उन्होंने कहा कि फायर डिपार्टमेंट का तर्क है कि चूंकि बिल्डिंग कॉमर्शियल है, इसलिए एनओसी कॉमर्शियल उद्देश्यों के लिए होनी चाहिए, जबकि एमसीडी एजुकेशनल प्रमाणपत्र की मांग करती है।

एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में दिव्यकीर्ति ने कहा कि मंगलवार को उनकी दिल्ली के एलजी के साथ बैठक हुई थी। उस बैठक में कुछ छात्र भी आए थे और कई संस्थानों के मालिक भी थे। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), फायर डिपार्टमेंट और मुख्य सचिव से लेकर दिल्ली सरकार के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि जब हम फायर डिपार्टमेंट से सर्टिफिकेट मांगते हैं, तो वे हमें एमसीडी या डीडीए के माध्यम से आने के लिए कहते हैं। हमने आज बैठक में इस पर चर्चा की। फायर डिपार्टमेंट ने हमें आश्वासन दिया है कि वे एक ऐसी व्यवस्था बनाएंगे, जिसके माध्यम से हम सीधे उनसे सर्टिफिकेट ले सकेंगे। अगर हम फायर डिपार्टमेंट से सर्टिफिकेट प्राप्त भी करते हैं, तो उसमें यह उल्लेख किया जाता है कि चूंकि भवन कॉमर्शियल है, इसलिए सर्टिफिकेट भी वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए है। एमसीडी का कहना है कि उन्हें शैक्षिक एनओसी चाहिए। मेरी जानकारी के अनुसार, एक भी शैक्षणिक संस्थान के पास शैक्षिक भवन एनओसी नहीं है। केवल कॉलेज, स्कूल और विश्वविद्यालय ही इसे प्राप्त करते हैं। ऐसा इसलिए भी हुआ क्योंकि 2020 से पहले, डीडीए के अनुसार, हम एजुकेशनल कैटेगरी में नहीं थे; हम कॉमर्शियल कैटेगरी में थे। जीएसटी के अनुसार, कोचिंग संस्थान अभी भी कॉमर्शियल कैटेगरी में आते हैं। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में उन्हें बेसमेंट में संस्थान चलाने की अनुमति मिल भी जाती है तो वे ऐसा नहीं करेंगे और यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि एक भी कोचिंग संस्थान बेसमेंट में न चले। डीडीए, एमसीडी और दिल्ली फायर डिपार्टमेंट के मानदंडों में विरोधाभास की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, हमें एनओसी क्यों नहीं मिल रही है? डीडीए का मानना ??है कि यह एमसीडी का काम है और एमसीडी कहती है कि यह डीडीए का काम है। एमसीडी ने डीडीए को कई पत्र लिखे हैं और डीडीए ने भी कई पत्रों का जवाब देते हुए यहां तक ??कहा है कि उनके पास दस्तावेज नहीं हैं और आपको उन्हें देखना होगा। हाईकोर्ट में पिछली बैठक में डीडीए ने पहली बार कहा था कि वे एमसीडी को अधिकार दे रहे हैं और अब बुधवार को होने वाली सुनवाई में एमसीडी हमें अनुमति दे सकती है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अवैध रूप से संचालित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय राजधानी में कई कोचिंग संस्थानों के बेसमेंट को सील कर दिया है। उन्होंने कहा, हम इस बात से पूरी तरह सहमत हैं कि बेसमेंट को सील किया जाना चाहिए, लेकिन दिल्ली मेट्रो बेसमेंट में चलती है, अंडरग्राउंड है और पालिका बाजार बेसमेंट में ही है। दिल्ली के लगभग हर मॉल के बेसमेंट में बहुत बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स हैं, क्योंकि बेसमेंट का निर्माण सही तरीके से किया गया है। उन्होंने इस बात पर सहमति जताते हुए कहा कि बेसमेंट में कोचिंग सेंटर नहीं चलने चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं कि हमने बेसमेंट का पूरा लेआउट स्ट्रक्चर एमसीडी, डीडीए और फायर डिपार्टमेंट को एनओसी के लिए सौंप दिया है और अभी तक वहां से कोई अस्वीकृति नहीं आई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर कैसे पासपोर्ट के धागे से पकड़ी गई कबूतरबाजी, गुरुग्राम से 2 एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
पासपोर्ट के बदले हुए धागे से दिल्ली एयरपोर्ट पर कबूतरबाजी का सच सामने आया है। इस मामले में एक शख्स डंकी रूट से अमेरिका चला गया था, जहां से उसे डिपोर्ट किया गया। पुलिस ने गुरुग्राम से बलवान सिंह और दिल्ली से मदन लाल को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए इन आरोपियों ने 20 लाख रुपये में शख्स को अमेरिका भेजा था। आरोपी बलवान पर सात और मदन लाल के खिलाफ एक कबूतरबाजी का मामला पहले से दर्ज है। मदन लाल से नौ पासपोर्ट भी बरामद हुए हैं। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार, बीते 7 मई को करनाल निवासी मंदीप न्यूयॉर्क से दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट लौटा था। इमिग्रेशन जांच में अधिकारियों ने पाया कि वह जिस पासपोर्ट पर आया है, उसके गुम होने की रिपोर्ट दर्ज है। उसके पासपोर्ट की सिलाई में इस्तेमाल धागा अलग होने के साथ-साथ उस पर लगी तस्वीर से भी छेड़छाड़ के साक्ष्य मिले। इस बाबत मामला दर्ज कर दिल्ली एयरपोर्ट पुलिस ने मंदीप को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि बलवान सिंह नामक एजेंट ने उसे 20 लाख रुपये में अमेरिका पहुंचाने का वादा किया था। बलवान ने उसे हवाना, लिमा और क्योटो भेजा। क्योटो से उसे मेक्सिको के रास्ते डंकी रूट से अमेरिका भेजा गया। उसका असली पासपोर्ट एजेंट ने रख लिया था। वह अमेरिका में काम करने लगा, लेकिन वहां पुलिस ने आपराधिक मामले में उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अदालत ने उसे डिपोर्ट करने के आदेश दिए। इसके लिए बलवान ने उसका दूसरा पासपोर्ट तैयार किया था।

दिल्ली में विवाद सुलझाने गई मां-बेटी को सरेआम गली में चाकू से गोद डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के तिलक नगर के संतगढ़ में मंगलवार दोपहर एक शख्स ने मां-बेटी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। उसकी बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस संबंध में हत्या, हत्या का प्रयास सहित कई अन्य धारा में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 60 वर्षीय बुजुर्ग बीना और उसकी 32 वर्षीय बेटी तान्या परिवार के साथ तिलक नगर में रहती थी। तान्या का संतगढ़ निवासी राहुल से विवाद चल रहा है। इसी विवाद को सुलझाने के लिए तान्या अपनी मां बीना के साथ मंगलवार दोपहर राहुल के घर पहुंची थी। इस दौरान राहुल और बीना का झगड़ा हो गया। इस पर आरोपी ने महिला पर चाकू से हमला कर दिया। अपनी मां को बचाने के लिए पहुंची तान्या को भी आरोपी ने चाकू से गोद दिया।

गली में पीछा कर मारे चाकू = दोनों जब बचने के लिए गली में भागने लगीं तो आरोपी ने पीछाकर एक चाकू तान्या के पेट में घुसा दिया और दूसरे चाकू से

उस पर कई वार किए। इस दौरान गली में भीड़ जमा होने पर आरोपी चाकू लहराते हुए फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस फिलहाल बीना के परिजनों से पूछताछ कर राहुल के घर जाने का कारण तलाश रही है।

फोन देकर भागा आरोपी आरोपी राहुल के परिवार में माता-पिता के अलावा एक भाई शामिल है। हत्या के बाद राहुल ने गली के कोने पर खड़ी एक महिला को अपना फोन दिया और उससे कहा कि यह फोन वह उसकी मां को दे दे। इसके बाद वहां फरार हो गया। पुलिस राहुल की तलाश में उसके संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि राहुल नशे का आदि है और अक्सर गली में झगड़ा करता रहता था।

गुरुग्राम को जलभराव से बचानें की योजना पर दिल्ली ने जताया ऐतराज

नई दिल्ली, एजेंसी।
गुरुग्राम की करीब 4500 एकड़ जमीन को जलभराव से बचाने की हरियाणा सरकार की योजना पर दिल्ली ने आपत्ति जाहिर की है। दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि इस योजना के तहत किए जा रहे कार्य को तुरंत रोका जाए। इससे बारिश में हरियाणा और दिल्ली में भारी जलभराव होगा।

ऐसा होने से बचने के लिए व्यापक पर्यावरण और बाढ़ प्रभाव अध्ययन की जरूरत है। मौजूदा समय में तीन बरसाती ड्रेन के माध्यम से गुरुग्राम से पानी निकलकर नजफगढ़ ड्रेन के माध्यम से यमुना में जाता है। इनमें बादशाहपुर नाला, ड्रेन नंबर एक और दो है। ड्रेन नंबर एक की क्षमता 500 क्यूसेक है।

वहीं, ड्रेन नंबर दो की क्षमता 1100 क्यूसिक है, जो नजफगढ़ ड्रेन से 550 मीटर पहले खत्म हो जाती है। इसका पानी गांव दौलताबाद, धनवापुर, खेड़की माजरा, चंदू बुढेड़ा, धनकोट आदि जमीन पर फैल जाता है, जिसके बाद यह धीरे-धीरे नजफगढ़ ड्रेन में जाता है। इस तरह बादशाहपुर ड्रेन करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक कच्ची है। बादशाहपुर ड्रेन की क्षमता करीब 6000 क्यूसिक है। इसका पानी भी खेतीहर जमीन पर फैल जाता है। पूरे

साल करीब साढ़े चार हजार एकड़ जमीन पर पांच से छह फीट तक पानी भरा रहता है। ये जमीन निजी लोगों की है, जिसके चलते वे खेती नहीं कर पाते हैं। हरियाणा सरकार ने ड्रेन नंबर दो को नजफगढ़ ड्रेन से जोड़ने के लिए करीब 22 करोड़ रुपये का टेंडर दिया है, जिसके तहत 550 मीटर लंबी ड्रेन का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा बादशाहपुर ड्रेन को नजफगढ़ ड्रेन से जोड़ने के लिए साढ़े तीन किलोमीटर लंबी नई ड्रेन का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सिंचाई विभाग ने नजफगढ़ ड्रेन के साथ-साथ पांच किलोमीटर लंबा बांध बनाने की योजना बनाई है। इससे अधिक बारिश होने पर दिल्ली की तरफ से गुरुग्राम हिस्से में पानी नहीं आएगा। योजना के तहत यदि नजफगढ़ ड्रेन में पानी अधिक आता है तो ड्रेन नंबर दो और बादशाहपुर ड्रेन का गेट गुरुग्राम में निजी लोगों की जमीन की तरफ खोल दिया जाएगा। नजफगढ़ ड्रेन में पानी का स्तर कम होने के बाद गेट को बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद जमीन पर भरे पानी को पंप के माध्यम से नजफगढ़ ड्रेन में वापस डाल दिया जाएगा। योजना के अनुसार, सिर्फ दो महीने ही जमीन पर पानी भरेगा, जबकि बाकी माह किसान यहां खेती कर सकेंगे। इसके अलावा रोहतक से आ रही ड्रेन नंबर आठ भी नजफगढ़ ड्रेन में आकर मिलती है, जिसकी क्षमता भी 1500 क्यूसिक है।

ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक को उम्रकैद की सजा, आतंकी संगठन को चलाने का था आरोप

लंदन एजेंसी। ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक अंजेम चौधरी को आतंकवादी संगठन को निर्देशित करने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। बता दें कि 57 साल के अंजेम चौधरी को पिछले हफ्ते अल-मुहाजिरौन (एएलएम) को निर्देशित करने के लिए दोषी ठहराया गया था। एएलएम पर एक दशक पहले प्रतिबंध लगा दिया गया था। न्यायाधीश मार्क वॉल ने ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक के लिए आजीवन कारावास की सजा का एलान किया,जिसकी न्यूनतम अवधि 28 साल होगी। इसके मुताबिक, उन्हें 28 साल से पहले पैरोल तक नहीं मिल पाएगी। जज ने चौधरी से लंदन के वूलविच क्राउन कोर्ट में कहा कि एएलएम जैसे संगठन ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से हिंसा को सामान्य बनाते हैं। जज ने संगठन को लेकर आगे कहा, उनका मकसद उन लोगों को कार्य करने के लिए साहस देना है, जो उनके सदस्य हैं। वे उन लोगों के बीच दरार पैदा करते हैं, जो आपस में एकता बनाकर रहते हैं और जो शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में एक साथ रह सकते थे और रहेंगे। अभियोजक टॉम लिटिल के अनुसार, जब संगठन के लीडर को

2014 में लेबनान की जेल में डाल दिया गया, उसके बाद अंजेम चौधरी इस संगठन का केयरटेकर अमीर बन गया। ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की पुलिस ने एक संयुक्त जांच के बाद सबूत इकट्ठा किया। सबूत के मुताबिक, चौधरी न्यूयॉर्क में स्थित अनुयायियों के साथ ऑनलाइन भाषणों के माध्यम से न्यूयॉर्क में एएलएम चला रहे थे और निर्देशित कर रहे थे। अभियोजकों ने कहा कि समूह ने कई नामों के तहत काम किया है।

ट्रंप ने कमला हैरिस को बताया खतरनाक उदारवादी महिला

आतंकवाद से लेकर सीमा सुरक्षा पर उपराष्ट्रपति को घेरा

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के आ जाने से डेमोक्रेट्स एक बार? फिर राष्ट्रपति चुनाव की रेस में आगे आ गया हैं। बढ़ती लोकप्रियता के कारण हैरिस अब ट्रंप से आगे निकल गई है।

हालांकि, ट्रंप अपने चुनावी अभियान के जरिए लगातार हैरिस को टारगेट कर रहे है। हाल ही में ट्रंप के चुनावी कैंपेन ने कमला हैरिस पर खतरनाक रूप से लिबरल/उदारवादी होने का आरोप लगाया। ट्रंप कैंपेन ने हैरिस पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर अवैध प्रवासियों के आक्रमण को रोकने में विफल रहीं। हालांकि, इस आरोप को हैरिस कैंपेन ने सिरे से खारिज कर दिया है। ट्रंप अभियान की वरिष्ठ

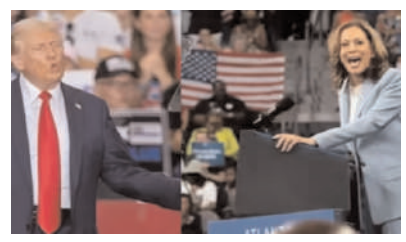

सलाहकार डैनियल अल्वारेज ने मंगलवार को हैरिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, सीमा जार कमला हैरिस की विफलता ने अमेरिका को कम सुरक्षित बना दिया है। प्रवासी अपराध बढ़ गए हैं, आतंकवादी खुली सीमा से घुस रहे हैं, फेंटेनाइल से मौतें बढ़ रही हैं और मानव तस्करी हर राज्य को प्रभावित कर रही है। हैरिस खतरनाक रूप से उदार हैं और अमेरिकी इसकी कीमत चुका रहे हैं। डैनियल ने कहा, ट्रंप ने हमारे देश के इतिहास में सबसे सुरक्षित सीमा बनाई। कुछ ही वर्षों में, सीमा जार कमला ने लाखों अवैध अप्रवासियों के लिए जे खोले खतरनाक दरवारूप से उदार कमला हैरिस खुली सीमाओं में विश्वास करती हैं। दरअसल, मंगलवार को ही, हैरिस की राष्ट्रीय प्रतिनिधि सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने यह स्पष्ट कर दिया कि कमला हैरिस न केवल लाखों और अवैध विदेशियों को हमारे देश में आने की अनुमति देने की योजना बना रही हैं, बल्कि उन्हें करदाताओं द्वारा वित्तपोषित लाभ से पुरस्कृत भी कर रही हैं। हैरिस के प्रेसिडेंट प्रवक्ता अम्मार मूसा ने ट्रंप कैंपेन को झूठा बताया और कहा, ट्रंप अपने ट्रेडमार्क झूठ पर चल रहे हैं क्योंकि उनका अपना रिकॉर्ड और योजनाएं चरम और अलोकप्रिय हैं। कमला हैरिस ने अपना करियर हिंसक अपराधियों से निपटने और उन पर मुकदमा चलाने और हमारे समुदायों को सुरक्षित बनाने में बिताया है। वह राष्ट्रपति के रूप में भी ऐसा ही करेंगी।

इजरायल ने लिया 7 अक्टूबर का बदला, तेहरान में मारा गया हमास चीफ

तेहरान एजेंसी।
हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत हो गई है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के बाद हमास ने भी उसके मौत की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, तेहरान में उनके आवास को निशाना बनाकर हमास प्रमुख इस्माइल हानिया और उसके बॉडीगार्ड की हत्या कर दी गई। हमला बुधवार तड़के किया गया गया था। हमास ने बताया कि एयरस्ट्राइक में दोनों की मौत हुई है।

इजरायल ने लिया बदला- ईरान का दावा : बता दें कि मंगलवार को हानिया, ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ थे। उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता से भी मुलाकात की थी। इस्लामवादी गुट ने इस्माइल हानिया की मौत पर शोक व्यक्त किया। ईरानी राज्य टेलीविजन पर विश्लेषकों ने इस हत्या के लिए के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है।

अप्रैल में मारे गए थे हानिया के तीनों बेटे : इसी साल अप्रैल महीने में इजरायी सुरक्षाबलों ने हानिया के तीन बेटों को मौत के घाट उतार दिया था। गाजा पट्टी में एयरस्ट्राइक के दौरान तीनों की मौत हुई थी। ढ्ढष्ठस्र ने दावा किया था कि कि हानिया के तीन बेटे आमिर, हाजेम और मोहम्मद, आतंकी गतिविधियों में शामिल थे।

इजरायल ने लिया बदला : पिछले साल 7 अक्टूबर की आधी रात को हमास आतंकवादियों ने इजरायल पर हवाई हमले किए थे। इस हमले में करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। इजरायली सेना लगातार गाजा में हमास के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर रही है।

इस्माइल हानिया का जन्म साल

1962 में गाजा पट्टी के अल-शती शरणार्थी शिविर में हुआ था। वो साल 2006 से लेकर 2007 तक फलस्तीन प्राधिकरण के प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर चुका था। साल 2017 में उसे खालिद मेशाल की जगह हमास चीफ बनाया गया था। इससे पहले इजरायल ने बेरूत में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला किया। इजरायली सेना ने मंगलवार को कहा कि गोलन हाइट्स पर किए गए रॉकेट हमले के जिम्मेदार आतंकी कमांडर को निशाना बनाया गया है।आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि सबसे वरिष्ठ हिजबुल्लाह सैन्य कमांडर फुआद शुकर इजरायली हमले में मारा गया। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि सबसे वरिष्ठ हिजबुल्लाह सैन्य कमांडर फुआद शुक्र इजरायली हमले में मारा गया।

बाइडन से भी खराब राष्ट्रपति उम्मीदवार

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए दोनों प्रमुख दल एक दूसरे को घेरने के प्रयास में जुटे हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस जो बाइडन से भी बेकार प्रत्याशी हैं। वहीं, राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनावी अभियान के दौरान कहा कि कमला एक प्रेरित करने वाली नेता बनी रहेंगी।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को फाक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि कमला हैरिस बाइडन के मुकाबले अधिक कट्टर वामपंथी हैं। उन्होंने कहा कि वह सीमा पार से आई हैं लेकिन यह दिखाने का प्रयास करती हैं कि ऐसा नहीं है। वह सीमा को खोलने की बात करती हैं, जिससे कोई भी आ सके। लेकिन इसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।